



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33]

नई विल्ली, शनिवार, अगस्त 14, 1976/शावण 23, 1898

No. 33]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 14, 1976/SAVANA 23, 1898

इस भाग में निम्न पठ उपलब्ध हो जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं।

**Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)**

मंत्रिभण्डल सचिवालय
(कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई विल्ली, 27 जुलाई, 1976

कांग्रेस 2877 —दृष्ट प्रक्रिया महिना 1973 (1974 का 2) की
शारा 24 की उपधारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए
केन्द्रीय मरकार एतद्वारा मैसर्स राम किशन कुलवन्त राय, कलकत्ता के
विश्व मुकदमा नं० आर०सी० 1/69/गम०प्राई०य० में मूल, अपीलीय
तथा पुनरीक्षण न्यायालयों से अभियुक्तों के अभियोजन का सञ्चालन करने
हेतु श्री जॉर्जन० घोष, अधिवक्ता का विशेष लोक अभियोजक नियुक्त
करती है।

[म० 225/29/76-ए वी डी-II]
वी०सी० वल्जानी, अवर सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 27th July, 1976

S.O. 2877.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints Shri J. N. Ghosh, Advocate, as a Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the accused, in case

RC 1/69/SIU against Messrs Ram Kishan Kulwant Rai, Calcutta, in the original, appellate and revisional Courts.

[No. 225/29/76-AVD. II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

नई विल्ली, 26 जुलाई, 1976

कांग्रेस 2878 —प्रोफ्र प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की शारा 22 की उप-शारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, निर्वाचन आयोग यह निवेश देता है कि तारीख 1 जनवरी, 1975 की उसकी अधिसूचना सं० 434/गोवा/74(1) में निम्ननिष्ठित
संगोष्ठी किया जाएगा, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना से मलबन सारणी के स्तम्भ 2 में, मद सं० “1-
पणाजी मसलीय निर्वाचन-क्षेत्र का रिटार्न आफिसर” के सामने विद्यमान
प्रविष्टि सं० 3 के स्थान पर “3-कलबटर का वैयक्तिक सहायक, दमन 1”
प्रविष्ट रख दी जाएगी।

[सं० 434/गोवा/74(1)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 26th July, 1976

S.O. 2878.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby directs that the following amendment shall be made in its notification No. 434/GOA/74(1) dated 1 January, 1975 namely :—

In column 2 of the Table appended to the said notification for the existing entry at No. 3 :—

against item '1—Returning Officer of 1-Panaji Parliamentary Constituency', the entry "3-Personal Assistant to Collector, Daman" shall be substituted.

[No. 434/GOA/74(1)]

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1976

का०आ० 2879.—नोट प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत निवासी आयोग, असम सरकार के परामर्श से, श्री एन०क० बौधरी के स्थान पर, श्री भद्रेश्वर हजारिका, भ०प्र०स०, को उनके इस पद का कार्यभार संभालने की तारीख से असम राज्य के लिय मुख्य निवासी आफिसर के रूप में एसड्डारा नाम निर्देशित करता है।

[सं० 154/असम/76]

प्र० कु० मिश्र, सचिव

New Delhi, the 28th July, 1976

S.O. 2879.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Assam, hereby nominates Shri Bhadreswar Hazarika, I.A.S. as the Chief Electoral Officer for the State of Assam with effect from the date he takes charge of the office and until further orders vice Shri N. K. Choudhury.

[No. 154/AS/76]

P. K. MISRA, Secy.

न्याय विभाग

नोटिस

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1976

का०आ० 2880.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में मकान प्राधिकारी द्वारा यह नोटिस दिया जाता है कि श्री बी० ए० अंतिया, एडवोकेट तथा नाटोरी, मार्फत मुझे एण्ड मुल्ला एण्ड क्रेनी ब्लैंट एण्ड केरी, बम्बई ने उक्त नियमों के नियम 8-ए के अन्तर्गत नोटोरी के रूप में वकालत के लिए अपने काम के क्षेत्र का विस्तार चेटर-बम्बई से सम्पूर्ण भारत तक करने के लिए प्राधिकारी को अपना आवेदन प्रस्तुत किया है।

2. नोटरी के रूप में उक्त व्यक्ति की नियुक्ति के बारे में यदि कोई अपरिहार हो तो वह लिखित रूप में, इस नोटिस के प्रकाशन से 14 दिनों के अन्दर, मुझे भेज दी जाए।

[संलग्न 22/47/76-न्याय]

प्र० वासुदेवन, संभास प्राधिकारी

DEPARTMENT OF JUSTICE

NOTICE

New Delhi, the 28th July, 1976

S.O. 2880.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 8A of the said Rules by Shri B. H. Antia, advocate & Notary c/o Mulle & Muller & Craigie Blunt & Caroe, Bombay for extension of his area of practice from Greater Bombay to the whole of India, as a Notary.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/47/76-Jus.]

R. VASUDEVAN, Competent Authority

वित्त मंत्रालय

(राजस्व श्री अंकितारी विभाग)

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1976

(प्रायकर)

का०आ० 2881.—केंद्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23) के अण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गुरुवयुर देवासवम्, गुरुवयुर को, निर्धारण वर्ष (वर्षों) 1976-77 के लिए और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1271 (फा० सं० 197/30/75-शाईटी(प)]

के० आर० राष्ट्रवन, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

New Delhi, the 1st April, 1976

(INCOME-TAX)

S.O. 2881.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Guruvayur Devaswom, Guruvayur for the purpose of the said section for and from assessment year (s) 1976-77.

[No. 1271 (F. No. 197/30/75-1C. AI)]

K. R. RAGHAVAN, Director

नई दिल्ली, 5 जून, 1976

प्रायकर

का०आ० 2882.—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सम्याको, विहित प्राधिकारी भारतीय विकितमा अनुसंधान परिषद् द्वारा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अण्ड (ii) के प्रयोजनार्थ अनुमोदित किया गया है। संस्थान अपने अनुसंधान क्रियाकालापों और प्राप्ति किए गए संदर्भों और अनुसंधान के लिए अन्यतः उपगत वास्तविक व्यय की वापिक रिपोर्ट विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

संस्था

राष्ट्रीय मनोस्थास्थ्य और तंत्रिका-विज्ञान संस्थान, बंगलौर

यह प्रधिसूचना 5-6-1976 से दो वर्षों की अवधि के लिए, प्रभावी होगी।

[सं. 1346/फा. सं. 203/43/76-आई टी ए-II]

टी. पी. शुनुजनवाला, उप सचिव

New Delhi, the 5th June, 1976

INCOME-TAX

S.O. 2882.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961. The Institute will submit annual reports and returns regarding its research activities and donations received and actual expenditure incurred exclusively for research to the prescribed authority.

INSTITUTION

National Institute of Mental Health & Neuro Sciences,
Bangalore

This notification will be effective for a period of two years w.e.f. 5-6-76.

[No. 1346/F. No. 203/43/76-ITA-II]

T. P. JHUNJHUNWALA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 21 जून, 1976

(आधिकारी और सम्पत्ति कर)

का.ओ. 2883.—केन्द्रीय सरकार आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-ठ की उपधारा (1) के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शास्त्रियों का प्रयोग करते हुए, इंडियन रिकार्ड्स कार्पोरेशन द्वारा इंडिया लिमिटेड द्वारा 29 मार्च, 1976 और 31 मार्च, 1976 के बीच निर्गत छठ प्रतिशत वस वर्षीय अंशपत्र 1986-प्रथम घासी को उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. 1362 (फा. सं. 178/64/75-आई टी/ए आई)]

टी. पी. शुनुजनवाला, उपर सचिव

New Delhi, the 21st June, 1976

(INCOME-TAX & WEALTH-TAX)

S.O. 2883.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 80L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies the 6 per cent 10 Years Bonds 1986—First Series—issued by the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, between the 29th March, 1976 and 31st March, 1976 for the purposes of the said clause.

[No. 1362(Fo. No. -178/64/75-IT(AI)]

O. V. KURUVILLA, Additional Secy.

नई दिल्ली, 7 जूलाई, 1976

आधिकारी

का.ओ. 2884.—प्रधिसूचना सं. 492 (फा. सं. 404/194/73-आई टी सी सी) तारीख 13 अक्टूबर, 1973 में आणिक उपान्तरण करते

हुए उक्त प्रधिसूचना के पैरा 1 में आने वाला श्री आर० डॉ. ठक्कर के नाम उसमें से निकाल दिया जाता है।

2. यह प्रधिसूचना तुरन्त प्रवृत्त होगी।

[सं. 1387 (फा. सं. 404/98/76-आई टी सी सी)]

टी. पी. मित्तल, उप सचिव

New Delhi, the 7th July, 1976

INCOME-TAX

S.O. 2884.—In partial modification of Notification No. 492 (F. No. 404/194/73-ITCC) dated 31st October, 1973 the name of Shri R. D. Thakkar appearing in para-1 thereof is deleted.

2. This Notification shall come into force with immediate effect,

[No. 1387 (F. No. 404/98/76-ITCC)]

V. P. MITTAL, Dy. Secy.

(बैंकिंग विभ.)

बैंकिंग विभ.

नई दिल्ली, 13 जूलाई, 1976

का.ओ. 2885.—9 जून, 1976 की प्रधिसूचना सं. 15(20)-बी.ओ. III/76 के हिन्दी पाठ की अंतिम पंक्ति में उस्तुति आंकड़े “0.85 लाख” के स्थान पर “0.05 लाख” पढ़ा जाय।

[सं. 15(20)-बी.ओ. III/76]

मे. आर० उसगांवकर, अधिकारी उपर सचिव

(Banking Wing)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 13th July, 1976

S.O. 2885.—In the notification No. 15 (20)-B.O. III/76 of 9th June, 1976 the figure appearing in the last line of the Hindi version may be read as “0.05 lakh” instead of “0.85 lakh”.

[No. 15(20)-B.O. III/76]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 जूलाई, 1976

का.ओ. 2886.—बैंककारी विनियमन प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के माध्यम पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शास्त्रियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की नियमित पर एतद्वारा घोषित करती है कि उपर्युक्त प्रधिनियम की धारा 31 और बैंककारी विनियमन (बैंककारी समिति) नियमावली, 1966 के नियम 10 के उपबंध ‘श्री वर्द्धमान को-आपरेटिव बैंक लिं, बम्बई’ पर उस सीमा तक लागू नहीं होगे जहाँ तक कि उनका संबंध 30 जून, 1975 को समाप्त होने वाले वर्ष के उपर्युक्त बैंक के लेखा-परीक्षक के प्रतिबंदन महिने सुलग-पत्र और लाभ व हानि लेखा के समावार पत्र में प्रकाशन से है।

[सं. एक. 8/7/76-ए.सी.]

New Delhi, the 26th July, 1976

S.O. 2886.—In exercise of the powers conferred by the section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 31 of the said Act and Rule 10 of the Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to the Shree Vardhaman Co-operative Bank Ltd., Bombay in so far as they relate to the publication of its balance sheet, profit and loss account for the year ended the 30th June 1975 together with the auditor's report in a newspaper.

[No. F. 8/7/76-AC]

का०आ० 2887.—बैंककारी विनियम प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषित करती है कि उपर्युक्त प्रधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंध पहली मार्च, 1976 से 28 फरवरी, 1977 तक और 31 मार्च, 1975 से 28 फरवरी, 1977 तक की अवधियों के लिए, क्रमसः: “कछार सेंट्रल कोशापरेटिव बैंक लि० मिल्कर” और “तेजपुर सेंट्रल कोशापरेटिव बैंक लि० तेजपुर” पर लागू नहीं होंगे।

[सं० एफ० 8/11/76-ए०सी०]

दूषीकेश गुहा, अवर सचिव

S.O. 2887.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Cachar Central Co-operative Bank Ltd., Silchar and the Tezpur Central Co-operative Bank Ltd., Tezpur for the periods from 1 March 1976 to 28 February 1977 and 31 March 1975 to 28th February 1977 respectively.

[No. F. 8/11/76-AC]

H. K. GUHA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1976

का०आ० 2888.—“देशीय ग्रामीण बैंक प्रधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 34 के साथ पठित धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, जम्मू ग्रामीण बैंक, जम्मू के अध्यक्ष, श्री एस० आर० कोशाल की नियुक्ति विषयक भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की 12 मार्च, 1976 की अधिसूचना सं० एफ० 4-72/75-ए०सी०(4) में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात् :—

उपर्युक्त प्रधिसूचना के अर्कों, अक्षरों और शब्द “31 जुलाई, 1976” के स्थान पर अर्क, अक्षर और शब्द “31 जनवरी, 1977” पढ़े जायें।

[सं० एफ० 4-72/75 ए०सी०]

New Delhi, the 30th July, 1976

S.O. 2888.—In exercise of the powers conferred by section 11, read with section 34, of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 4-72/75-AC(IV), dated the 12th March, 1976 relating to the appointment of Shri S. R. Kotwal as the Chairman of the Jammu Rural Bank, Jammu, namely :—

In the said notification, for the figures, letters and word “31st July, 1976”, the figures, letters and word “31st January, 1977” shall be substituted.

[No. F. 4-72/75-AC]

का०आ० 2889.—देशीय ग्रामीण बैंक प्रधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 34 के साथ पठित धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार पुरी ग्राम्य बैंक, पिपली, के अध्यक्ष, श्री सुरेन्द्र महन्ती की नियुक्ति विषयक, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की 25 फरवरी, 1976 की अधिसूचना सं० एफ० 4-87/75-ए०सी०(4) में, एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात् :— उपर्युक्त प्रधिसूचना के अर्क, अक्षरों और शब्दों “31 जुलाई, 1976” के स्थान पर अर्क, अक्षर और शब्द “31 जनवरी, 1977” पढ़े जायें।

[सं० एफ० 4-87/75-ए०सी०]

सी० आर० विश्वास, उप सचिव

S.O. 2889.—In exercise of the powers conferred by section 11, read with section 34 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 4-87/75-AC(IV) dated the 25th February, 1976 relating to the appointment of Shri Surendra Mahanty as the Chairman of the Puri Gramya Bank, Pipili, namely :—

In the said notification, for the figures, letters and word “31st July, 1976”, the figures, letters and word “31st January, 1977” shall be substituted.

[No. F. 4-87/75-AC]

C. R. BISWAS, Dcy. Secy.

का०आ० 2890.—भारतीय स्टेट बैंक प्रधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 19 की उपधारा (1) के खण्ड (क) और धारा 20 की उपधारा (1) के अनुसार मे केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्ध निदेशक श्री टी० आर० वरदाचारी को, एतद्वारा 4 अगस्त, 1976 से आरम्भ होकर 28 फरवरी, 1977 को ममाप्त होने वाली अवधि के लिये, भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष के स्पष्ट में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 8/6/76-ओ०ओ०-I]

S.O. 2890.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 19 and sub-section (1) of section 20 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government hereby appoints Shri T. R. Varadachary, Managing Director of the State Bank of India as Chairman of the State Bank of India for the period commencing on 4th August, 1976 and ending with 28th February, 1977.

[No. F. 8/6/76-BO. I]

का०आ० 2891.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) अधीन, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुग्रहण मे केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री टी० आर० तुली को 1 अगस्त, 1976 को प्राप्त होने वाली और 31 अगस्त, 1976 को ममाप्त होने वाली अनिवार्यता के लिये, प्राजाब नशनल बैंक के प्रबन्ध निदेशक के लग मे पुनः नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-ओ०ओ० 1(1)]

S.O. 2891.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri T. R. Tuli as the Managing Director of Punjab National Bank for a further period commencing on 1st August, 1976 and ending with 31st August, 1976.

[No. F. 9/3/76-BO. I(1)]

का०आ० 2892.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री डॉ आर० तुली को, जिन्हे 1 अगस्त, 1976 से पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से पंजाब नेशनल बैंक के निदेशक-बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी०ओ० I (2)]

S.O. 2892.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 3, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri T. R. Tuli, who has been re-appointed as Managing Director of Punjab National Bank with effect from 1st August, 1976, to be the Chairman of the Board of Directors of Punjab National Bank with effect from the same date.

[No. F. 9/3/76-BO. I(2)]

का०आ० 2893.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री एम० सेन शर्मा को 1 अगस्त, 1976 से प्रारम्भ होने वाली और 31 अगस्त, 1976 को समाप्त होने वाली प्रतिस्थित प्रबन्ध के लिये, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी०ओ० I (3)]

S.O. 2893.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri M. Sen Sarma, as the Managing Director of United Bank of India, for a further period commencing on 1st August, 1976 and ending with 31st August, 1976.

[No. F. 9/3/76-BO. I(3)]

का०आ० 2894.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री एम० सेन शर्मा को, जिन्हे 1 अगस्त, 1976 से यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी०ओ० I (4)]

S.O. 2894.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 3, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of

India, hereby appoints Shri M. Sen Sarma, who has been re-appointed as Managing Director of United Bank of India with effect from 1st August, 1976, to be the Chairman of the Board of Directors of United Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/3/76-BO. I(4)]

का०आ० 2895.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री आर० ए० गुलमुहम्मद को 23 जुलाई, 1976 से प्रारम्भ होने वाली और 31 अगस्त, 1976 को समाप्त होने वाली प्रबन्ध के लिये देना बैंक के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी०ओ० I (5)]

S.O. 2895.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri R. A. Gulmohamed as the Managing Director of Dena Bank for the period commencing on 23rd July, 1976 and ending with 31st August, 1976.

[No. F. 9/3/76-BO. I(5)]

का०आ० 2896.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5, उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री आर० ए० गुलमुहम्मद को, जिन्हे 23 जुलाई, 1976 से देना बैंक के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से देना बैंक के निदेशक-बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी०ओ० I (6)]

निम्नलिखित चन्द्र सेनगुप्ता, सचिव

S.O. 2896.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 3, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri R. A. Gulmohamed, who has been re-appointed as Managing Director of Dena Bank with effect from 23rd July, 1976, to be the Chairman of the Board of Directors of Dena Bank with effect from the same date.

[No. F. 9/3/76-BO. I(6)]
N. C. SEN GUPTA, Secy.

विस्त भंद्रालय

(स्थिति विभाग)

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1976

का०आ० 2897.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक सथा अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा भारतीय लेखा-प्रतिक्रिया सथा सेक्षा-विभाग में काम करने वाले व्यक्तियों के सबसे में भारत के नियन्त्रक और लेखा भद्रा-प्रतीक्रिया से परामर्श करने के पश्चात्, केन्द्रीय निविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथम:—

1 (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय निविल भेदा (पेशन) (मात्रवा संशोधन) नियम, 1976 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 में—
- (क) नियम 37 में—
- (1) परन्तु में, “और” शब्द का लोप कर दिया जायेगा।
- (2) इस प्रकार से संशोधित परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित और परन्तुक अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—
- “परन्तु यह और कि नियम 49 के उपनियम (5) के उपबन्ध इस नियम के अधीन पेशन निर्धारित करने के प्रयोजन के लिये लागू नहीं होगे।”
- (ख) नियम 49 के उपनियम (5) में, निम्नलिखित परन्तुक जोड़ दिया जायेगा, अर्थात्—

“परन्तु यह कि इस उपनियम की कोई भी भांति नियम 37 में उल्लिखित किसी सरकारी कर्मचारी को लागू नहीं होगी।”

[सं. का. 19(12)-सत्ता. V(क)]76]

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 28th July, 1976

S.O. 2897.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Seventh Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972,—
(a) in rule 37—

- (i) in the proviso, the word “further” shall be omitted;
- (ii) after the proviso as so amended, the following further proviso shall be inserted, namely:—

“Provided further that the provisions of sub-rule (5) of rule 49, shall not apply for the purpose of determining pension under this rule.”

- (b) to sub-rule (5) of rule 49, the following proviso shall be added, namely:—

“Provided that nothing in this sub-rule shall apply to a Government servant referred to in rule 37.”

[No. F. 19(12)-EV(A)/76]

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1976

का. 2898.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रबल शक्तियों का और इस नियमित उसे समर्थन बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारतीय संघरीकारी और लेखा विभाग में नियोजित व्यक्तियों की बाबत, भारत के नियंत्रक महापरीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) (आठवा संशोधन) नियम 1976 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- (2) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 32 में—

(क) उपनियम (1) में, “सम्मति कर देगा” शब्दों से पूर्व “प्रस्तु 24 में”, शब्द अन्तःस्थापित किये जायेंगे;

(ख) उपनियम (2) में, “अधिकारी धोषित कर दिया गया है”, शब्दों के पश्चात्, “या जहां किसी अराजपत्रित भरकारी सेवक को राजपत्रित पदित में प्रोत्तर किया गया है,” शब्द अन्तःस्थापित किये जायेंगे।

3 उक्त नियम में, प्रस्तु 23 के पश्चात् निम्नलिखित प्रस्तु प्रत्यन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“प्रस्तु 24

(नियम 32 देखिए)

पेशन के लिये सेवा के सत्यापन प्रमाण पत्र का प्रस्तु

सं.....

भारत सरकार.....

मंत्रालय.....

विभाग.....

तारीख

तापमात्रा

*संघरीकारी अधिकारी से परामर्श के पश्चात्, यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री

(नाम और पत्राभिधान)

निम्नवर्त्यत व्यक्ति के अनुसार को
..... वर्ष

(तारीख)

मास और..... विन की अहंक सेवा पूरी कर ली है। सेवा का सत्यापन सेवा के वलाकेजों के आधार पर और उस समझ प्रबृत्ति अहंक सेवा संबंधी नियमों के अनुसरण में दिया गया है। यह सत्यापन अहंक सेवा के उस प्रतिम सत्यापन के अधीन रहते हुए किया गया है जो सरकारी सेवक की सेवा निवृत्ति के समय किया जायेगा।

अहंक सेवा के व्यक्ति

से

तक

1

2

3

संघरीकारी अधिकारी/कार्यालय के प्रधान के हस्ताक्षर

सेवा में,

‘श्री

(नाम और पत्राभिधान)

*प्रराजपत्रित सरकारी सेवकों की दशा में रखा जायेगा।

[सं. 19(22)-ई.बी.०(८०)/76]

श्याम मुन्नर लाल मल्होत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 30th July, 1976

S.O. 2898.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General of India in respect of persons employed in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Eighth Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 32:—

- (a) in sub-rule (1), after the words "communicate to him" the words and figures "in form 24" shall be inserted
- (b) in sub-rule (2), after the word "surplus", the words "or where a non-gazetted Government servant is promoted to gazetted rank" shall be inserted.
- (c) for the proviso below sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :

"(3) Any verification of service made under sub-rule (1) or sub-rule (2) shall be subject to final verification of qualifying service which shall be made at the time of retirement of the Government servant."

3. In the said rules, after form 23, the following Form shall be inserted, namely :—

"Form 24

(See rule 32)

Form of Certificate of verification of service for pension.

No.

Government of India
Ministry of

Department of

Dated

MEMORANDUM

It is certified, *in consultation with the Audit Officer, that Shri..... has completed (Name and designation) a qualifying service of years months and days as on (date)

given below. The service has been verified on the basis of his service documents and in accordance with the rules regarding qualifying service in force at present. This verification is subject to final verification of qualifying service which shall be made at the time of the retirement of the Government servant.

DETAILS OF QUALIFYING SERVICE

	From	To
1.		
2.		
3.		

Signature of Audit Officer/
Head of Office

To
Shri.....
(Name and designation)

* To be retained in the case of a non-gazetted Government Servant."

[No. 19 (22)-EV(A)/76]

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1976

का०आ० 2899.—वर्तमान आदेश स० 22/75 (का०स० 328/227/74-ध०क० दिनांक 25-3-75) में प्राधिक संशोधन करते हुए और प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की आरा 269 एक० की उप-धारा (6) के संबोधकरण द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निवेश देना है कि इस आदेश से संबंध गारणी के सम्म (2) में विनिरिट प्रथेक प्रायकर आयुक्त, उक्त मारणी के सम्म (3) की संगत प्रतिलिप्यां में विनिरिट सक्षम प्राप्तिकारी के विषय में भी आयुक्त होगा।

मारणी

(1) (2) (3)

1. प्रायकर आयुक्त प्रभूतमर निरीक्षी प्रायकर आयुक्त, प्रभिप्रहण रेज़, प्रभूतमर।

2. प्रायकर आयुक्त जलधर निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त, प्रभिप्रहण रेज़, जलधर।

यह आदेश 15 जुलाई, 1976 से लागू होगा।

[सं० 60/76-का०/सं० 328/227/74/ध०क०]

प्रा०ध०न० मण्डल, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 14th July, 1976

S.O. 2899.—In partial modification of the existing order No. 22/75 (F. No. 328/227/74-WT dated 25-3-75) and in exercise of the powers conferred by the Explanation to sub-section (6) of section 269F of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby direct that every Commissioner of Income-tax specified in column (2) of the Table appended to this Order shall be the Commissioner in relation to the competent authority specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

1	2	3
1.	Commissioner of Income- tax Amritsar.	Inspecting Assistant Commis- sioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.
2.	Commissioner of Income- tax Jullundur.	Inspecting Assistant Commis- sioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

This order shall take effect from 15th July, 1976.

No. 60/76-F. No. 328/227/74-WT:
[H.N. MANDAL, Under Secy]

समाहृती कायीलय, सीमा शुल्क घोर लेन्ड्रीय उत्पादन शुल्क बंगलौर

बंगलौर, 31 मई 1976

सीमा-शुल्क

का०आ० 2900.—विस मन्त्रालय (राजस्व एवं सीमा विभाग) भारत सरकार, की का० मा० 473/2/75-सी०ए०-VII से जारी की गई दिनांक 18-7-75 की प्रधिसूचना स० 79 के साथ पठित सीमा शुल्क प्रधिनियम 1962 (1962 का 52) की 9वीं धारा के प्रवीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, आर० एन० शुल्क, समाहृती, सीमा-शुल्क बंगलौर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बंगलौर, कर्नाटक समाहृतीलय इस प्रधिसूचना द्वारा, बंगलौर जिले के उत्तर तालुके के "पीन्या" नामक ग्राम को, "भाडागार स्टेशन" घोषित करता हूँ।

[सं० 2/76-सीमा-शुल्क-सी०स०-8/40/2/76-सी०-2]
प्रा०ध०न० शुल्क, समाहृती

**OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND
CENTRAL EXCISE**

Bangalore, the 31st May, 1976

CUSTOMS

S.O. 2900.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962, (52 of 1962) read with Notification No. 79/Customs/F No. 473/2/75 Cus. VII dated 18-7-1975 of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), I, R. N. Shukla, Collector of Customs and Central Excise, Bangalore, Karnataka Collectorate hereby declare "Peenya" Village of Bangalore, North Taluk, Bangalore District in the State of Karnataka, to be a warehousing station.

[No. 2/76 Cus. C. No. VIII/40/2/76 C2]

R. N. SHUKLA, Collector

कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता

नई दिल्ली, 9 जूलाई, 1976

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

का० आ० 2901.—के० उ० श० नियमावली 1944 के नियम 5 के प्रत्यागत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, के०उ०ण० समाहर्ता कार्यालय, दिल्ली के के०उ० शुल्क अधीक्षकों को एतद्वारा यह प्राधिकार देता हूँ कि वे के०उ० शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 173 एफ०एफ० के उपनियम (1) के प्रयोजन के लिये प्रपत्ते अपने अधिकार क्षेत्र में "समुचित अधिकारी" के रूप में काम करें।

[अधिसूचना सं० 1-सी०ई०/76]

मूला० बधावर, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

New Delhi, the 9th July, 1976

CENTRAL EXCISES

S.O. 2901.—In exercise of the powers conferred upon me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I, hereby authorise the Superintendents of Central Excise of Delhi Central Excise Collectorate to act as "Proper Officer" within their respective jurisdictions for the purposes of sub-rule (1) of rule 173FF of Central Excise Rules, 1944.

[Notification No. 1/CE/76]

M. L. BADHWAR, Collector

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता कार्यालय,

दूना, 16 जूलाई, 1976

सीमा-शुल्क

का०आ० 2902.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 79/सीमा शुल्क काहल संख्या 473/2/75-सीमा शुल्क दिनांक 18 जूलाई, 1975 के अधीन सीमा शुल्क समाहर्ता को यथाप्रत्यायोजित, सीमा शुल्क अधिसूचना, 1962 की द्वारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नामिक जिले का "नासिक रोड" नामक स्थान, एतद्वारा 'भांडागार केन्द्र' घोषित किया जाता है।

[अधिसूचना सं० 5/सीमा०शुल्क/76 का०सं०VIII(भीमा) 40-37/टी०डी०/76]

जे० एम० यमी, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Poona, the 13th July, 1976

CUSTOMS

S.O. 2902.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962, as delegated to the Collector of Customs under Government of India, Ministry of Finance Notification No. 79/Cus.-F. No. 473/2/75-Cus-VII dated 18th July, 1975, the place by Name "Nasik Road", Nasik District is hereby declared to be a "Warehousing Station."

[Notification No. 5/Cus/76-F. No. VIII(Cus)40-37/TD/76]

J. M. VERMA, Collector

कार्यालय आयकर आयुक्त

पटियाला, 29 जूलाई, 1976

धनकर

का० आ० 2903.—धनकर अधिसूचना, 1957 की द्वारा 42-के प्रधीन ऐसे मधी करदाताओं के नामों तथा विधिटियों का प्रकाशन, जिनका शुद्ध धन वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान 10 लाख रुपये से अधिक निर्धारित किया गया है, (i) हैमित के लिये ('आई' अधिकृत के लिये) (ii) कर निर्धारण वर्ष के लिये (iii) विवरणित धन/निर्धारित धन के लिये तथा (iv) करवाता द्वारा देय कर के लिये/करवाता द्वारा दिये गये कर के लिये है।

1. श्री इन्द्रमोहन सिंह चेवाल, विविल लाइन्स, लुधियाना (i) 'आई' (ii) 1974-75 (iii) 11,54,653/11,84,801 (iv) 20,544/13,044 (ii) 1975-76 (iii) 13,17,266/13,31,830 (iv) 24,955/24,955

2. श्री गुरुचरण सिंह प्रेवान, गुरदेवनगर, लुधियाना (i) 'आई' (ii) 1975-76 (iii) 9,26,123/10,70,670 (iv) 17,118/17,783

3. श्री परमजीत सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मनो मिह, औरनी मुहल्ला, लुधियाना (i) 'आई' (ii) 1975-76 (iii) 9,98,491/10,26,400 (iv) 48,555/22,834

4. श्री गुरुचरण सिंह, जमीदार, पटियाला, (i) 'आई' (ii) 1974-75 (iii) 1015829/1040800 (iv) 17149/15474 (ii) 1975-76 (iii) 1249800/1269800 (iv) 33467/30917

5. श्रीमती यदुनन्दन कुमारी, पटियाला, (i) 'आई' (ii) 1974-75 (iii) 954010/1008000 (iv) 20120/13725

6. श्री प्रबोधन महाराज, जोगिलदर मैन आक माडी (i) 'आई' (ii) 1968-69 (iii) 7,33,026/10,64,190 (iv) 8,284/शून्य

7. राजा और भग्न मिह, हाली लाज, गिरला (i) 'आई' (ii) 1975-76 (iii) 10,21,230/10,21,230 (iv) 15468/5735

[का० संब०/प्रकाशन/ध०क०]
धी० पी गुप्ता, धनकर आयुक्त

Office of the Commissioner of Income-tax

(INCOME TAX)

Patiala, the 29th July, 1976

(Wealth-tax)

S.O. 2903.—Publication of names and particulars of all the assessees who have been assessed to net wealth over Rs. 10 lakhs during the financial year 1975-76 u/s 42-A of the Wealth-tax Act, 1957, (i) stands for status ('I' for individual) (ii) stands for assessment year (iii) for wealth returned/wealth assessed, and (iv) for tax payable by assessee/tax paid by the assessee.

1. Shri Indermohan Singh Grewal, Civil Lines, Ludhiana
(i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) 11,54,653/11,84,801 (iv) 20,544/13,044 (ii) 1975-76 (iii) 13,17,266/13,31,830 (iv) 24,955/24,955.
2. Shri Gurparshad Singh Grewal, Gurdev Nagar, Ludhiana
(i) 'I' (ii) 1975-76 (iii) 9,26,123/10,70,670 (iv) 17,118/17,783.
3. Shri Paramjit Singh S/o Late Sh. Manna Singh, Chhowni Mohalla, Ludhiana, (i) 'I' (ii) 1975-76 (iii) 9,98,491/10,26,400 (iv) 48,555/22,834.
4. Shri Gurecharan Singh Landlord, Patiala (i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) 1015829/1040800 (iv) 17149/15474 (ii) 1975-76 (iii) 1249800/1269800 (iv) 33467/30917.
5. Smt. Yadunandan Kumari, Patiala, (i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) 954010/1008000 (iv) 20120/13725.
6. Shri H. H. Maharaja Joginder Sen of Mandi (i) 'I' (ii) 1968-69 (iii) 7,33,026/10,64,190 (iv) 8,284/Nil.
7. Raja Vir Bhadra Singh, Holly Lodge, Simla (i) 'I' (ii) 1975-76 (iii) 10,21,230/10,21,230 (iv) 15468/5735.

[F. No. Rec/Publication/WT]

(आपकर)

का०ओ० 2904.—भाग (क) आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के प्रधीन प्रकाशन के लिये ऐसे करदाताओं की सूची, जिन पर वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान आय छिपाने के कारण 5000 रु. (पाँच हजार रुपये) से अधिक का जुर्माना लगाया गया था।

करदाता का नाम : मैसर्स सिंह निटवीयर, सलेम तबरी लुधियाना, हैसियत : पंजीकृत कर्म, निर्धारण वर्ष : 1969-70, जुर्माने की राशि : 10,000/- रु।

भाग (ख)

आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के प्रधीन प्रकाशन के लिये ऐसे करदाताओं की सूची, जिन पर वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान आय की विवरणी न काइल करते अथवा लेखा बहियां न प्रस्तुत करते के कारण 5000 रु. (पाँच हजार रुपये) से अधिक का जुर्माना लगाया गया था।

करदाता का नाम : श्री अमरिंदर सिंह, न्यू मोरी वारा एंड एस, पटियाला, हैसियत : अप्टि, निर्धारण वर्ष : 1967-68, जुर्माने की राशि : 9500 रु।

[का० सं० व० /प्रकाशन/2]

बो०पी० गुप्ता, आपकर आयकर

S.O. 2904.—Part (a). List of assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000 (Rupees five thousand) was imposed for concealment of income during the financial year 1975-76 for publication u/s 287 of the I.T. Act, 1961.

Name of the assessee :—M/s. Sind Kniwears, Salem Tabri, Ludhiana.

Status :—Regd. Firm, Asstt-Year : 1969-70, Amount of Penalty : Rs. 10,000.

Part (b). List of assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000 ((Rupees five thousand) was imposed for failure to file return of income or to produce books of accounts during the financial year 1975-76 to be published under Section 287 of the I.T. Act, 1961.

Name of the assessee : Sh. Amarinder Singh, New Moti Bagh Palace, Patiala.

Status : Individual, Asstt. Year : 1967-68, Amount of Penalty : Rs. 9,500.

[F. No. Rec/Publication/II]
V. P. GUPTA, Commissioner

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य विवेक, भारत-निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली

आदेश

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1976

का०ओ० 2905.—संघीय साह स्मिलिंग प्रा० लि०, साह नगर, सरथना रोड, मेरठ से यह बताया है कि इनको प्रवान किए गए 12,000 रुपए मूल्य (बारह हजार रुपये मात्र) के लिए भारत साइंसेस संस्कारी पी/ओ० 2200013/सी/एक्स एक्स/55/एच/39-40, दिनांक 23-6-1975 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति बिना उपयोग में लाए हुए और किसी भी पतन पर पंजीकृत कराए बिना ही अस्थानस्थ हो गई/को गई है।

2. अपने तरफ के समर्थन में संघीय साह स्मिलिंग प्रा० लि०, मेरठ ने एक शापथ-पत्र दाखिल किया है। भ्रष्टोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति अस्थानस्थ हो गई/को गई है तथा निवेदन देता है कि उनको केवल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुसिधि जारी की जानी चाहिए। मूल लाइसेंस (मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) एवं द्वारा रद्द की जाती है।

3. लाइसेंस की अनुसिधि प्रति (मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) प्रलग से जारी की जा रही है।

[संख्या मेटल/37/2/74-75/आर० एम० 5]

ए० एन० चटजी, उप-मूल्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Chief Controller of Imports and Exports,
New Delhi

ORDER

New Delhi, the 30th July, 1976

S.O. 2905.—It has been reported by M/s. Saru Smelting Pvt. Ltd., Sardhana Road, Meerut that the Exchange Control copy of Import licence No. P/D/2200013/C/XX/55/H/ 39-40 dated 23-6-1975 granted to them for a value of Rs. 12,000 (Rupees twelve thousand only) has been misplaced/lost, without having been utilised at all and registered at any port.

2. In support of this contention, M/s. Saru Smelting Pvt. Ltd., Meerut have given an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control purposes copy of the licence has been misplaced/lost and directs that a duplicate (Exchange Control copy only) should be issued to them. The original licence (Exchange Control copy) is hereby cancelled.

3. A duplicate licence (Exchange Control purpose copy) of the licence is being issued separately.

[No. Metal/37/2/74-75/RM. 5]

A. N. CHATTERJI, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 31 जूनाई, 1976

का०आ० 2906—प्रधान क्रय अधिकारी, बोस क्रय संघ, तलवाड़ा टाउनशिप, जिला होशियरपुर, पंजाब को 3,13,520 रुपए (तीन लाख तेरह हजार पाँच सौ बीस रुपए मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस स० जी/आई/2443012/पी/आई ए/56/एच 35-36/सी जी-2, दिनांक 14-7-75 प्रदान किया गया था। उक्त साइरेस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन दिया है कि मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ थो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति सीमा शुल्क प्रधिकारी, बम्बई के पास पजीकृत कराई गई थी और लागत-सीमा-भाड़ा 1,68,819 रुपए (एक लाख अड्सठ हजार आठ सौ उन्हींस रुपए मात्र) के लिए उपयोग में लाया गया था तथा लाइसेंस पर शेष उपलब्ध धन 1,44,701 रुपया था।

2. इस तर्क के समर्थन में, आवेदक ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष विधिवत् शपथ लेने हुए एक शपथन-पत्र दाखिल किया है। तदनुसार, वे सन्तुष्ट हैं कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है। अतः यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रदल अधिकारों का प्रयोग कर प्रधान क्रय अधिकारी, बी० एस० नय संघ तलवाड़ा टाउनशिप की जारी किए गए उक्त आयात लाइसेंस स० जी/आई ए/2443012/पी/आई ए/56/एच/35-36/सी० जी०-2, दिनांक 14-7-1975 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

3. लाइसेंसधारी को उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[स० सी० जी०-2/पी० जी०/(5)/75-76]
एच० एस० बहल, उप-मूल्य नियन्त्रक

ORDER

New Delhi, the 31st July, 1976

S.O. 2906—The Chief Purchase Officer, Beas Purchase Organisation, Talwara Township Distt, Hoshiarpur, Punjab were granted an import licence No. G/I/2443012/P/IA/56/H/35-36/CGII dt. 14-7-75 for Rs 3,13,520 (Rupees three lakhs thirteen thousand five hundred and twenty only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been lost/misplaced. It is further stated that the original Customs Purpose copy was registered with the Customs Authorities at Bombay and utilised for Rs. 1,68,819 c.i.f. (Rupees one lakh sixty eight thousand eight hundred and nineteen only) and the balance available on it was Rs. 1,44,701.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit duly sworn in before the Executive Magistrate. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes

copy of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9 (cc) of the Import (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original Customs Purposes copy of the licence No. G/I/2443012/P/IA/56/H/35-36/CGII dated 14-7-1975 issued to The Chief Purchase Officer, Beas Purchase Organisation, Talwara Township is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. CGII/BPO(5)/75-76]

H. L. BAHL, Dy. Chief Controller

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(प्रोद्धोगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 जूनाई, 1976

का०आ० 2907.—मरकारी स्थान (प्रप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकारी नीति की सारणी में वर्णित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी है उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्मान अधिकारी विषयक रहती है, जो उक्त सारणी के स्तरम् (2) में तस्थानी प्रतिष्ठित में विनिविष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग और अधिरोपित करन्वयों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान और नाम	सरकारी स्थानों के प्रबंग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
----------------------------	--

(1)	(2)
-----	-----

श्री बी० पी० त्रिवेदी, सहायक निदेशक,	राष्ट्रीय लष्ट उद्योग निगम/आधारूप आधारूप विकास और प्रशिक्षण केन्द्र, गजकोट, (गुजरात)
	विकास और प्रशिक्षण केन्द्र, गजकोट, गुजरात राज्य द्वारा के, उसके द्वारा अंजित या किराये पर लिए-गए सरकारी स्थान।

[का० स० एम० गम० I(L)-14(62)/75]

पी० के० एम० गम० आम्यर, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES (Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30 July, 1976

S.O. 2907.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the public premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column 1 of the Table below, being Gazetted Officer of Government, to be estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officer

by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said table :-

TABLE

Name and designation of officer.	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
Shri V.P. Trivedi, Assistant Director, Prototype Development and Training Centre, RAJKOT, (Gujarat)	Public premises owned, acquired or hired by the National Small Industries Corporation/Prototype Development and Training Centre, Rajkot, in the State of Gujarat.

[F. No. SSI(D)-14 (62)/75
P. K. S. IYER, Under Secy.]

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1976

का०आ० 2908—पेटेट नियम, 1972 में सशाधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, पेटेट अधिनियम, 1970 (1970 का 39) को धारा 159 की उपधारा (3) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के उद्योग और नागरिक पूर्ति भवनालय की अधिसूचना संघर्ष का० आ० 1037 तारीख 21 फरवरी, 1976 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 13 मार्च, 1976 पृष्ठ 1229 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उम् तारीख से जिसकी राजपत्र की प्रतियां जिसमें अधिसूचना प्रकाशित की गई हैं जनता को उपलब्ध करा दी जाती है एक मास की अवधि की समाप्ति तक उन मध्ये अपेक्षितों से आक्षेप और सुझाव मार्गे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है।

और उक्त राजपत्र की प्रतिया 13 मार्च, 1976 को जनता का उपलब्ध करा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार को उक्त प्रारूप की बाबत जनता से कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए,

प्रत., अब, केन्द्रीय सरकार, पेटेट अधिनियम, 1970 (1970 का 39) की धारा 159 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पेटेट नियम, 1972 में और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम अनाती हैं, अर्थात्:-

1. (1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पेटेट (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पेटेट नियम, 1972 (जिसे इसके पश्चात उक्त नियम नहीं गया है) के नियम 6 में उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"(3) अधिनियम के या इन नियमों के अधीन किन्हीं कार्यशाहियों में किसी पेटेटधारी या अभ्यर्थी या प्रतिपक्षी को सन्देशित भवी लिखित पत्र-अवृद्धारा और पेटेटधारी या उक्त अभ्यर्थी या प्रतिपक्षी को भेजे गए, गभी प्रलेख, उनसे भिन्न, जिन्हें विणेष मन्देशाहक से भेजा जाता है, गमीदी रजिस्टर डाक द्वारा भेजे जाएंगे।"

3. उक्त नियमों के नियम 92 में निम्नलिखित परन्तु जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

"परन्तु इस नियम के अधीन वैज्ञानिक सलाहकार के गोल से किसी अपेक्षित का नाम हटाने से पूर्व ऐसे अपेक्षित को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर दिया जाएगा।"

[फा० सं० 18(32)/74/पी सी]

प्र० एन० मीना, अव० सचिव

New Delhi, the 31st July, 1976

S.O. 2908.—Whereas a draft of certain rules further to amend the Patents Rules, 1972, was published as required by sub-section (3) of section 159 of the Patents Act, 1970, (39 of 1970), with the notification of the Ministry of Industry and Civil Supplies No. S.O. 1037, dated the 21st February, 1976, at page 1229 of the Gazette of India, Part II-Section 3 sub section (ii), dated the 13th March, 1976, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of one month from the date on which the copies of the official Gazette in which the notification was published were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 13th March, 1976;

And whereas no objections or suggestions were received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 159 of the Patents Act, 1970 (39 of 1970), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Patents Rules, 1972 namely:—

1. (1) These rules may be called the Patents (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In rule 6 of the Patents Rules, 1972, (hereinafter referred to as the said rules) after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

"(3) All notices and all written communications addressed to a patentee, or to any applicant or opponent in any proceedings under the Act or these rules, and all documents forwarded to the patentee or to the said applicant or opponent shall, except when they are sent by special messenger, be sent by registered post acknowledgement due."

3. To rule 92 of the said rules, the following proviso shall be added, namely:—

"Provided that, before removing the name of any person from the roll of scientific advisers under this rule, such person shall be given a reasonable opportunity of being heard".

[F. No 18(32)/74-P&C]

N. L. MINA, Under Secy.

पेटेट नियम संक्षिप्त

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1976

का०आ० 2909—यह केन्द्रीय गवर्नर जो यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में भी एस के 173 से के 137 तक पेटेटनियम के पारवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विकास जानी चाहिये।

और यह: यह अतीत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपावद मनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब ऐट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना ग्राहण एतदपावद घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप समझ अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निमिंग और देवानाम प्रभाग, मकारुरा रोड, बड़दारा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुमित्राई व्यक्तिता: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

मनुसूची

दो एस के-173 से के-137 तक आर और मू का अधिप्रहण

राज्य : गुजरात जिला : गांधीनगर तालुका : गांधीनगर

गांव	सर्वेक्षण सं०	हेक्टर	एमार्ट ई सेन्टीमायर	
भोयन राथोड	55/3	0	08	63
	55/2	0	01	65
	55/4	0	03	90
	55/5	0	03	45
	56	0	07	20
कार्ट ट्रैक	0	00	50	
	52	0	15	45
	51	0	10	65
	45	0	09	45
	40	0	16	50
कार्ट ट्रैक	0	00	75	
	78	0	07	05
म्लाक सं०				
टिटोडा	886	0	21	55
	888	0	10	35

[सं० 12016/9/76-एस० एण्ड एस०]
टी० फी० सुव्रत्तियन, ग्राम सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 26th July, 1976

S.O. 2909.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from d.s. K-173 to K-137 in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right Of User in the land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum pipelines (Acquisition of Right of Usser in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object

to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every Person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. from D.S. K-173 to K-137

State: Gujarat	District : Gandhinagar	Taluka : Gandhi nagar		
Villages	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
Bhoyan Rathod	55/3	0	08	63
	55/2	0	01	65
	55/4	0	03	90
	55/5	0	03	45
	56	0	07	20
Cart-track	0	00	50	
	52	0	15	45
	51	0	10	65
	45	0	09	45
	40	0	16	50
Cart-track	0	00	75	
	78	0	07	05
Block No.				
Titoda	886	0	21	55
	888	0	10	35

[No. 12016/9/76-L & L]

T. P. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1976

का०आ० 2910.—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (कलकत्ता) नियमाबली, 1972 के नियम 1 के उप नियम (3) के खण्ड (ii) के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदपावद कलकत्ता में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के कामिकों को उक्त नियमों के कार्यक्रम से प्रलग रखती है।

[संख्या एस० 12018/7/76-के० स० स्वा० यो०]

नरेन्द्र सिंह भाटिया, मंत्री, मंत्रालय

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 28th July, 1976

S.O. 2910.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Clause (ii) of Sub-rule (3) of rule 1 of the Central Government Health Scheme (Calcutta) Rules, 1972, the Central Government hereby excludes the Central Reserve Police Force Personnel in Calcutta from the scope of the said rules.

[No. S. 12018/7/76-CGHS]

N. S. BHATIA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1976

का०आ० 2911—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ द्वारा ज्ञाएँ जा रहे पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित सभी पिछली सूचनाओं और अधिसूचनाओं का प्रधिकरण करते हुए आम जनता की सूचना के लिए एहतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि उक्त संस्थान निम्नलिखित डिप्रिया और डिप्लोमा वाले पाठ्यक्रम संलग्न हैं।

- (क) मेडिकल डिप्लोमा प्रोग्राम
1. एम० डी० कायचिकित्सा, कौमारभृत्य, मनोविकारविज्ञान, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान, रेडियोनियोनान, रेडियोचिकित्सा, विकृतिविज्ञान, सूक्ष्मजीवविज्ञान, भेषजगुणविज्ञान, जीवरसायन और संबंद्हनहरणविज्ञान।
 2. एम० एम० शल्यविज्ञान, विकलांग शल्यविज्ञान, नेत्रविज्ञान और कर्णनासाकण्ठविज्ञान।
 3. डी० एम० हृदयरोगविज्ञान, जटरान्तरोगविज्ञान, वृक्षकरबनाविज्ञान, तन्त्रिकाविज्ञान और ग्रस्तसाविकी।
 4. एम० सीएच० हृद-वक्ष-शल्यविज्ञान, प्लास्टिक शल्यविज्ञान, कौमारभृत्य शल्यविज्ञान, तन्त्रिकाशल्यविज्ञान, सूक्ष्मविज्ञान।
 5. पीएच० डी० * संबंद्हनहरण, सामान्य कायचिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान, कौमारभृत्य, मनोविकारविज्ञान, रेडियोनियोनान, रेडियोचिकित्सा, सामान्य शल्यचिकित्सा, विकलांग शल्यचिकित्सा, नेत्रविज्ञान और कर्णनासाकण्ठविज्ञान।
(*) स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ का पीएच० डी० (विद्या-वाच्चस्पति)।
 6. पीएच० डी० ** शरीररचनाविज्ञान, जीवरसायन, जीवभौतिकी, रोगलक्षण-मनोविज्ञान, प्रायोगिक कायचिकित्सा, सूक्ष्मजीवविज्ञान, भेषजगुणविज्ञान, और विकृतिविज्ञान।
(**) टिप्पणी: इससे अभिभ्रेत है कि ये चिकित्सा उपाधियां समझी जाती हैं यदि ये ऐसे अधिकारी को दी जाएं जिनके पास भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) के अन्तर्गत मायता प्राप्त चिकित्सा श्रृंखलाएँ हो।

(ब) गैर-चिकित्सीय डिप्रिया और डिप्लोमे :

1. पीएच० डी० शरीररचनाविज्ञान, जीवरसायन, जीवभौतिकी, रोगलक्षण-मनोविज्ञान, प्रायोगिक कायचिकित्सा, सूक्ष्मजीवविज्ञान, भेषजगुणविज्ञान और विकृतिविज्ञान।
2. एम० एससी० भेषजगुणविज्ञान और जीवरसायन।
3. एम० एमसी० विकार शरीररचनाविज्ञान और ऊतकविज्ञान, कोशिकाप्रकरण, रधिरविज्ञान, जीवरसायन, वाहरस-विज्ञान, सूक्ष्मजीवविज्ञान, जीवाणुविज्ञान, रेडियोनियोनान और रेडियो चिकित्सा।
4. बी०एमसी० चिकित्सा प्रोयोगिकी (i) एकम-रे और (ii) प्रयोगशाला।

५. बी०एमसी०

परिच्छार्या (बुनियादी के बाद की) और विज्ञान स्नातक परिच्छार्या (ये डिप्रियां प्राप्तविद्यालय द्वारा प्रदान नहीं जाती हैं।)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

शल्यकार्मशाला महायक और भासान्य परिच्छार्या।

2 यह सामन्य जानकारी के लिए भी प्रधिसूचित किया जाता है कि स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ प्रधिनियम, 1966 (1966 का 51) के अनुसार उक्त संस्थान द्वारा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ प्रधिनियम के अन्तर्गत प्रदान की गई चिकित्सा डिप्रियों और डिप्लोमों को भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए सामन्यताप्राप्त चिकित्सा प्राप्तताएँ समझा जाएंगा और उन्हे उस प्रधिनियम की प्रथम अनुसूची में सम्मिलित माना जाएगा।

[स० ब० ११०१६/२४/७२-एम टी]

New Delhi, the 30th July, 1976

S.O. 2911.—In supersession of all previous notices and notifications relating to the courses conducted by the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, it is hereby notified for information of the general public that the said Institute has been conducting courses leading to the award of the following degrees and diplomas :—

(a) Medical degrees and diplomas :

1. M.D. Medicine, Paediatrics, Psychiatry, Obst. & Gynaecology, Radio-diagnosis, Radio-therapy, Pathology, Microbiology, Pharmacology, Biochemistry and Anaesthesiology.
2. M.S. Surgery, Orthopaedic surgery, Ophthalmology and Oto-rhino-laryngology.
3. D.M. Cardiology, Gastroenterology, Nephrology, Neurology and Endocrinology.
4. M.Ch. Cardio-thoracic-surgery, Plastic Surgery, Paediatric surgery, Neuro-surgery and Urology.
5. *Ph.D. Anaesthesia, General Medicine, Obst. & Gynaecology, Paediatrics, Psychiatry, Radio-diagnosis, Radio-therapy, General Surgery, Orthopaedic Surgery, Ophthalmology and Oto-rhino-laryngology.

(*) (Doctor of Philosophy of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh).

6. †Ph.D. Anatomy, Biochemistry, Biophysics, Clinical Psychology, Experimental Medicine, Microbiology and Pathology.

Note : (i) Indicates that these are treated as medical degrees if awarded to persons holding recognised medical qualifications under the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956).

(b) Non-medical degrees and diplomas :

1. Ph.D. Anatomy, Biochemistry, Biophysics, Clinical psychology, Experimental Medicine, Microbiology, Pharmacology and Pathology.
2. M.Sc. Pharmacology and Biochemistry.
3. M.Sc. Medical Technology
Morbid Anatomy and Histology, Cytology, Haematology, Biochemistry, Virology, Microbiology, Bacteriology, Radio-diagnosis and Radio-therapy.
4. B.Sc. Medical Technology (i) X-ray and (ii) Laboratory.

5. B.Sc. Nursing (Post-basic) & B.Sc. Nursing (Degrees awarded by the Panjab University).

Diploma Courses :

Operation Theatre Asstt. and General Nursing.

2. It is also notified for general information that in accordance with section 24 of the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, Act, 1966 (51 of 1966), the medical degrees and diplomas granted by the said Institute under the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, Act shall be recognised medical qualification of the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and shall be deemed to be included in the First Schedule to that Act.

[No. V. 11016/24/72-MPT]

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1976

का० आ० 2912--भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा परिषद् से परामर्श करते के बाद एसव्हारा उक्त अधिनियम की तुलीय सूची के भाग 2 में आगे और निम्नलिखित सशोधन करती है, अर्थात् :—

(i) “ये अहंताये यदि 20 अगस्त, 1975 के बाद ही दी गई हो तो ये मान्यताप्राप्त चिकित्सा अहंताये होंगी” शब्दों और शब्दों के पूर्व और “डिल्सोमा-इन-ट्यूबरकुलोमियम डिजीजेज़ . . . डी टी डी” प्रविष्ट के बाद निम्नलिखित प्रविष्ट अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“डाक्टर ऑफ मेडिसिन (त्वचारोग विज्ञान एवं रत्तिरोग विज्ञान)
एम० डी० (त्वचा एवं रत्ति)

(ii) “ये अहंताये यदि 20 अगस्त, 1975 के बाद ही दी गई हो तो ये मान्यताप्राप्त चिकित्सा अहंताये होंगी “शब्दों और शब्दों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टयां अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“डाक्टर ऑफ मेडिसिन (संवेदना-हरण विज्ञान)
अपरोग तथा वक्षरोग में डिल्सोमा —शी० डी० सी० डी०”

[स० वी० 11015/43/75-एम० पी० डी०]

New Delhi, the 31st July, 1976

S.O. 2912.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

(i) before the words and figures “These qualifications shall be recognised medical qualifications only when granted after the 20th August, 1975” and after the entry “Diploma in Tuberculosis Diseases . . . D.T.D.”, the following entry shall be inserted, namely, “Doctor of Medicine (Dermatology and Venereology) M.D. (Derma. & Ven.)”;

(ii) after the words and figures “These qualifications shall be recognised medical qualifications only when granted after the 20th August, 1975”, the following entries shall be inserted, namely :—

“Doctor of Medicine . . . M. D. (Anaesthesiology)
(Anaesthesia)

Diploma in Tuberculosis . . . D.T.C.D.”.
and Chest Diseases

[No. V. 11015/43/75-MPT]

का० आ० 2913--भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 13 की उपधारा (4) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रायुषिकान परिषद् से परामर्श करने के बाद एसव्हारा उक्त अधिनियम की तुलीय सूची के भाग 2 में आगे और निम्नलिखित सशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिनियम की तुलीय सूची के भाग 2 के अन्त में निम्नलिखित प्रविष्टया रख दी जाएं, अर्थात् :—

एम० बी० बी० सी० एच०	(नेशनल यूनिवर्सिटी आव आयरलैण्ड)
एम० डी०	(यूनिवर्सिटी आव फ्लोरेंस, इटली)
एम० बी० बी० एच०	(यूनिवर्सिटी आव बेस्ट हॉड्डेज, मोना, किङ्स्टन, जर्मेन्का)
एम० डी०	(यूनिवर्सिटी आव बेल्प्रेड, यूगोस्लाविया)
एम० डी०	(फेल्लटी आव बेडिसिन एण्ड स्टोमेटोलाजी, (LJUBLJANA) जुल्जेना, यूगोस्लाविया)
एम० डी०	(चिकित्सा सकाय, निस, यूगोस्लाविया)
एम० डी०	(चिकित्सा सकाय, नोवो शाव, यूगोस्लाविया)
एम० डी०	(चिकित्सा सकाय, रिजेका, यूगोस्लाविया)
एम० डी०	(चिकित्सा सकाय, यूनिवर्सिटी आव साराजेवो, यूगोस्लाविया)
एम० डी०	(चिकित्सा सकाय, यूनिवर्सिटी आव स्कोप्येजा, यूगोस्लाविया)
एम० डी०	(चिकित्सा सकाय, यूनिवर्सिटी आव जॉन्ब, यूगोस्लाविया)
एम० बी० बी० सी० एच०	(यूनिवर्सिटी आॱ्फ एन शेम्म, संयुक्त अरब गणराज्य)
एम० बी० बी० सी० एच०	(यूनिवर्सिटी आॱ्फ कैरो, संयुक्त अरब गणराज्य)
एज अर्जेन्ट (ALS ARZT)	(कालं-माकर्स—यूनिवर्सिटी लेपिजिंग, दुर्वी जर्मनी) ।”

[म० वी० 11015/11/76-एम० पी० डी०]
एस० श्रीनिवासन, उप सचिव

S.O. 2913.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 13 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in Part II of the Third Schedule to the said Act, namely :—

In Part II of the Third Schedule to the said Act the following entries shall be inserted at the end, namely :—

- “M.B.B.Ch. (National University of Ireland).
- M.D. (University of Florence, Italy).
- M.B.B.S. (University of West Indies, Mona, Kingston, Jamaica).
- M.D. (University of Belgrade, Yugoslavia).
- M.D. (Faculty of Medicine and Stomatology, Ljubljana, Yugoslavia.)
- M.D. (Medical Faculty, Nis, Yugoslavia).
- M.D. (Medical Faculty, Rijeka, Yugoslavia).
- M.D. (Medical Faculty, University of Sarajevo, Yugoslavia).
- M.D. (Medical Faculty, University of Skoplje, Yugoslavia).
- M.D. (Medical Faculty, University of Zagreb, Yugoslavia).
- M.B.B.Ch. (University of Ain Shams, United Arab Republic).
- M.B.B.Ch. (University of Cairo, United Arab Republic).
- APPROBATION ALS ARZT (Karl Marx—University of Leipzig, Eastern Germany). ”

[No. V. 11015/11/76-MPT]
S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1976

का०आ० 2914—केन्द्रीय सरकार, याच प्राप्तिक्रम निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 2 के खण्ड (VIIक) के अनुसरण में द्वा० के० भास्करन, उप-महानिवेशक, स्वास्थ्य सेवा, नई दिल्ली को, उत्तर गांग झेंजो के लिए जिनको उक्त अधिनियम लाग दीता है, 'शानीय (स्वास्थ्य) प्राधिकारी' नियुक्त करते हैं।

[स० प० 15014/4/76-प०० प.व०]

रमेश बहादुर, अवर सचिव

New Delhi, the 31st July, 1976

S.O. 2914.—In pursuance of clause (VIIla) of section 2 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government hereby appoints Dr. K. Bhaskaran, Deputy Director General of Health Services as "Local (Health) Authority" for the territories to which the said Act applies.

[No. P. 15014/4/76-PH(F&N)]

RAMESH BAHADUR, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार योड़)

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1976

का०आ० 2915—केन्द्रीय सरकार, भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 (1898 का 6) की धारा 7 और 10 द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करने हुए, भारतीय डाकघर नियम, 1933 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथा०—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय डाकघर (प्रावा संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. भारतीय डाकघर नियम, 1933 के नियम 50-क में, उपनियम (2) में, परन्तु में, "ओबोस रूपये और पचास पैसे" शब्दों के स्थान पर "जारीस रुपये" शब्द रखे जाएंगे।

[स० 29/3/75-सी.प०]
प० शी० सेपाहा, उप महानिवेशक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Posts and Telegraphs Board)

New Delhi, the 28th July, 1976

S.O. 2915.—In exercise of the powers conferred by sections 7 and 10 of the Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office Rules, 1933, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Post Office (Eighth Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 50A of the Indian Post Office Rules, 1933, in sub-rule (2), in the proviso, for the words, "Rupees twenty four and fifty paise", the word "Rupees forty" shall be substituted.

[No. 29/3/75-CF]

A. V. SESHANNA, Dy. Dir. Gen.

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 5 जून, 1976

का०आ० 2916.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपावद ग्रन्ती में विनियू विषयों के बारे में व्याप्त आध परियोजना, तत्वावाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध विषयों को और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीधोगिक विवाद विद्यमान है,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए, निर्देशित करना चाहनीय समझती है।

प्रत, ग्रन्त, श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1917 (1917 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एक श्रीधोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री भितपाल सिंह होगे, जिनका शुभालय लुधियाना से होगा और उक्त विवाद को उक्त श्रीधोगिक अधिकरण को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

व्याप्त व्याप्त आध परियोजना, तत्वावाद के प्रबन्धतंत्र वी श्री राजभुमार हांडा की सेवाएं 11-9-1969 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है, यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[स० एल० 42012(6)/76 शी० 2(बी)]
हरबस बहादुर, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 5th June, 1976

S.O. 2916.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Beas Dam Project, Talwara and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Pritpal Singh shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ludhiana and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Beas Dam Project, Talwara in terminating the services of Shri Raj Kumai Handa with effect from 11-9-1969, is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-42012(6)/76-DII(B)],
HARBANS BAHADUR, Section Officer (Spl.)

आदेश

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1976

का०आ० 2917.—भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना मर्यादा का० आ० 1721, तारीख 17 जुलाई, 1961 द्वारा गठित श्रम न्यायालय अहमदाबाद के पीठासीन अधिकारी का पक्कि कित हो गया है।

प्रत, प्रब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपवन्धो के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार गणद्वारा श्री जौ. मामूल बरोग को पूर्वोक्त प्रकार से गठित अम व्यावाय का पीठामीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं. एम. 1025/10/76-डी०-१ (ए)]
एन० क० नारायणन, अन्यायालय का पीठामीन
(विषेष)

ORDER

New Delhi, the 2nd August, 1976

S.O. 2917.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court with headquarters at Ahmedabad constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 1721 dated the 17th July, 1961.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby appoints G. S. Barot as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[No. S-11025/10/76-D.I(A)]

L. K. NARAYANAN, Section Officer (Spl)

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1976

का० आ० 2918.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ईस्ट कोस्ट मेरीन प्रोडक्ट्स प्रोड्यूट्स लिमिटेड, 15 मोण्टेन्ट रोड, एम्मोर, मद्रास-8 जिसके अन्तर्गत 14-37-15, मुर्पीडी कालोनी विजय गोखले रोड, विश्वासापत्तनम्-2 स्थित उसकी शाखा भी आती है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

प्रत, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1974 को प्रवत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम. 35019(61)/74-पी०एफ० 2 (i)]

New Delhi, the 3rd August, 1976

S.O. 2918.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. East Coast Marine Products Private Limited, 15, Montieith Road, Egmore, Madras-8 including its Branch at 14-37-15, Muppidi Colony, Vijaye Ghokale Road, Visakapatnam-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1974.

[No. S. 35019(61)/74-PF. II(i)]

का० आ० 2919.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा '6' के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 जनवरी, 1974 से मैसर्स ईस्ट कोस्ट मेरीन प्रोडक्ट्स प्रोड्यूट्स लिमिटेड, 15 मोण्टेन्ट रोड, एम्मोर, मद्रास-8, जिसके अन्तर्गत 14-37-15 मुर्पीडी कालोनी, विजय गोखले रोड, विश्वासापत्तनम्-2 स्थित उसकी शाखा भी आती है नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[सं. एम. 35019(61)/74-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 2919.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1974, the establishment known as Messrs East Coast Marine Products Private Limited, 15, Montieith Road, Egmore, Madras-8 including its branch at 14-37-15, Muppidi Colony, Vijaye Ghokale Road, Visakapatnam-2, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(61)/74-PF. II(ii)]

का० आ० 2920.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केतु टेक्सटाइल्स (प्रोड्यूट्स) लिमिटेड सर विठ्ठलदास लेन, 733, एम० जै० मार्केट, मुम्बई-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रत, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है;

यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1974 को प्रवत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम. 35018 (23)/75-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 2920.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ketu Textiles (Private) Limited, Sir Vithaldas Lane, 733, M. J. Market, Bombay-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of July, 1974.

[No. S. 35018(23)/75-PF. II(I)]

का० आ० 2921.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 31 जुलाई 1974 से मैसर्स टेक्सटाइल्स (प्रोड्यूट्स) लिमिटेड, सर विठ्ठलदास लेन, न० 33, एम० जै० मार्केट, मुम्बई-2 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजन के लिए विनियोजित करती है।

[सं. एम. 35018(23)/75-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 2921.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the thirty first day of July, 1974, the establishment known as Messrs. Ketu Textiles (Private) Limited, Sir Vithaldas Lane, 733, M. J. Market, Bombay-2, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(23)/75-PF. II(ii)]

का० आ० 2922.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गजपाल ब्रदर्स प्रोड्यूट्स, लिमिटेड राजपाल बिल्डिंग डॉकयाँ रोड रेलवे स्टेशन के सामने, मुम्बई-10 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि

कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के दिमाक्कर के इक्टीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम. 35018/64/75-पी. एफ. 2(i)]

S.O. 2922.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rajpal Brothers Private Limited, Rajpal Building Opposite Dockyard Road Railway Station Bombay-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1973.

[No. S. 35018/64/75-PF. II(i)]

का० आ० 2923.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1973 से मैसर्स राजपाल ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड, राजपाल बिल्डिंग, डॉकयार्ड रोड रेलवे स्टेशन के सामने, मुम्बई-10 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं. एस. 35018/64/75-पी. एफ. 2(ii)]

S.O. 2923.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of December 1973 the establishment known as Messrs. Rajpal Brothers Private Limited, Rajpal Building, Opposite Dockyard Road, Railway Station, Bombay-10 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/64/75-PF. II(ii)]

का० आ० 2924.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बेल्को इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अमन चैम्बर्स, 113, परमानन्द मार्ग, मुम्बई-4 जिसके अन्तर्गत गोद्वा रोड, वारलेज, भावनगर के निकट, स्थित उसकी शाखा भी आती है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वहसंख्या इस बात पर सहभव हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

59 GI/76-3

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के मध्यम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम. 35018(66)/75-पी. एफ. 2 (i)]

S.O. 2924.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Velcro India Private Limited Aman Chambers, Vartej, 113, Parmanand Marg, Bombay-4 including its branch at Ghagha Road, Vartej Near Bhavnagar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1973.

[No. S. 35018(66)/75-PF. II(i)]

का० आ० 2925.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर ऐने के पश्चात् मैसर्स बेल्को इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अमन चैम्बर्स, 113, मामा परमानन्द मार्ग, मुम्बई-4 जिसके अन्तर्गत गोद्वा रोड, वारलेज, भावनगर के निकट स्थित उसकी शाखा भी आती है, नामक स्थापन को 1 फरवरी, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं. एस. 35018(66)/75-पी. एफ. 2 (ii)]

S.O. 2925.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1973, the establishment known as Messrs. Volcra India Private Limited, Aman Chambers, 113 Mama Parmanand Marg, Bombay-4 including its branch at Gogha Road, Vartej, Near Bhavnagar for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(66)/75-PF. II(ii)]

का० आ० 2926.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ए एम सर्विसेज कम्पनी, 130, जगन्नाथ शकर सेट रोड, गिरगाम, मुम्बई, नामक स्थापन मे सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वहसंख्या इस बात पर सहभव हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35018/68/75-पी. एफ. 2]

S.O. 2926.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. AM Services Company, 130, Jagannath Shankarsheth Road, Girgaum, Bombay-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1974.

[No. S. 35018/68/75-PF. II]

का० अ० 2927.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में प्रावश्यक जाँच करने के पश्चात् जून, 1975 के तीसवें दिन से मैसर्स एलाइंज काम्प्लिट इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, पोकार मैनेजन, घोथी मंजिल, चैम्बर स्टेशन के निकट मुम्बई 71, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[स० एस० 35018(4)/76-पी० एफ० 2) (ii)]

S.O. 2927.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of June, 1975, the establishment known as Messrs. Allied Consulting Engineers Private Limited, Pokar Mansion, 3rd Floor, Near Chembur Station, Bombay-71, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/4/76-PF. II(ii)]

का० अ० 2928.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पाई मेंटेनेंस सर्विस, रहमत मंजिल, बुकान सं० 11, 75 वोर नारीमन रोड, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अब, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस जून, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35018(5)/76-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 2928.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Pai Maintenance Service, Rehmet Manzil, Shop No. 11, 75, Veer Nariman Road, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1974.

[No. S. 35018/5/76-PF. II(i)]

का० अ० 2929.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में प्रावश्यक जाँच करने के पश्चात् एकतीम दिनवार, 1974 से मैसर्स इंस्ट्रियल ट्रेइंग, 94 नगीनशाह मास्टर रोड, फॉर्ट, मुम्बई नामक स्थापन को (1) घू० बिल्डिंग, भारका भवन कम्पाउन्ड, धनटोली, नागपुर-12, (2) टिक्की-पारा रोड, एम० ८०, रेलवे, विलागपुर (एम० पी०), (3) संगम, डाक घर जुनार देव, जिला छिंदवारा (एम० पी०), (4) ३-६-२९४/ए/७, हैदरगुदा, हैदरगुदा और (5) सिनेमा टाकीज के सामने, एस० ६० रेलवे, मनेन्द्रगढ़, जिला दरगुजा (एम० पी०) नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

पाई मेंटेनेंस सर्विस रहमत मंजिल, बुकान सं० 11, 75, वोर नारीमन रोड, मुम्बई-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुके प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[स० एस० 35018(5)/76-पी० एफ० (ii)]

S.O. 2929.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of June, 1974, the establishment known as Messrs. Pai Maintenance Service, Rehmet Manzil, Shop No. 11, 75, Veer Nariman Road, Bombay-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/5/76-PF. II(ii)]

का० अ० 2930.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंस्ट्रियल ट्रेइंग, 94, नगीनशाह मास्टर रोड, फॉर्ट मुम्बई (1) घू० बिल्डिंग, भारका भवन कम्पाउन्ड, धनटोली, नागपुर-12, (2) रिक्रा पारा रोड, एस० ६० रेलवे, विलागपुर (एम० पी०), (3) संगम, डाक घर जुनार देव, जिला छिंदवारा (एम० पी०), (4) ३-६-२९४/ए/७, हैदरगुदा, हैदरगुदा और (5) सिनेमा टाकीज के सामने, एस० ६० रेलवे, मनेन्द्रगढ़, जिला दरगुजा (एम० पी०) नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना दिनवार, 1974 के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35018(7)/76-पी० एफ० 2) (i)]

S.O. 2930.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Industrial Traders, 94, Nagindas Master Road, Fort, Bombay-1, Including its branches at (1) New Building, Bharuka Bhavan Compound, Dhantoli, Nagpur-12, (2) Tikta Pari Road, S.E. Railway, Bijapur, (M.P.), (3) Sangam, Post Office Junnfordeo, District Chhindwara (M.P.), (4) 3-6-294/A/7, Hyderabad, Hyderabad and (5) Opposite Cinema Talkies, S.E. Railway, Manendragarh, District Durguja (M.P.), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1974.

[No. S. 35018/7/76-PF. II(i)]

का० अ० 2931.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में प्रावश्यक जाँच करने के पश्चात् एकतीम दिनवार, 1974 से मैसर्स इंस्ट्रियल ट्रेइंग, 94 नगीनशाह मास्टर रोड, फॉर्ट, मुम्बई नामक स्थापन को (1) घू० बिल्डिंग, भारका भवन कम्पाउन्ड, धनटोली, नागपुर-12, (2) टिक्की-पारा रोड, एम० ८०, रेलवे, विलागपुर (मध्य प्रदेश),

(3) मरम्म, ग्राफिकर जुनारेय, जिला डिव्हारा (मध्य प्रदेश), (4) ३-६-२९४/ग/7, हाइडरगढ़, हैदराबाद और (5) सिनेमा टाकोज के सामने एस० ई० रेलवे, मेन्ट्रिंगड, जिला शरणुजा (मध्य प्रदेश) में स्थित उसकी शाखाओं सहित उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए त्रिनिष्ठि करती है।

[स० एस-35018(7)/76-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 2931.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of December, 1974, the establishment known as Messrs. Industrial Traders, 94, Nagindas Master Road, Fort, Bombay-1 including its branches at (1) New Building, Bharuka Bhavan Compound Dhanoli, Nagpur-12, (2) Tikra Para Road, S.E. Railway, Bilaspur, (M.P.), (3) Sangam, Post Office Junoideo, District Chhindwara (M.P.) (4) ३-६-२९४/A/7, Hyderabad, Hyderabad and (5) Opposite Cinema Talkies, S.E. Railway, Manendragarh, District Durguja (M.P.) for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35018/7/76-PF. II(ii)]

का० आ० 2932.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माल वीएस शिपिंग लिमिटेड, मुम्बई प्रतिफिल कार्यालय, कार्मचारियल मैनोर, कलाइब रोड, चतुर्थ काम लेन, मौड़ी, मुम्बई, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की मई के इकाईमवे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस-35018(9)/76-पी० एफ० II (i)]

S.O. 2932.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Mal-Dives Shipping Limited, Bombay Representative Office, Commercial Manor, Clive Road, 4th Cross Lane, Mandvi, Bombay, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1975.

[No. S. 35018/9/76-PF. II(i)]

का० आ० 2933.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् मैसर्स माल वीएस शिपिंग लिमिटेड, मुम्बई प्रतिनिधि कार्यालय, कार्मचारियल मैनोर, कलाइब रोड, चतुर्थ काम लेन, माडली, मुम्बई नामक स्थापन को 31 मई, 1975 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए त्रिनिष्ठि करती है।

[स० एस-35018(9)/76-पी० एफ० 2(ji)]

S.O. 2933.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st day of May, 1975 the establishment known as Messrs. Mal-Dives Shipping Limited, Bombay Representative office, Commercial Manor, Clive Road, 4th Cross Lane, Mandvi, Bombay for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/9/76-PF. II(ii)]

का० आ० 2934.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेशनल लुब्रिकेंट्स, 23, बैंक स्ट्रीट, फोर्ट, मुम्बई-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जानवरी, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस-35018(11)/76-पी० एफ० II]

S.O. 2934.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. National Lubricants, 23, Bank Street, Fort, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35018(11)/76-PF. II]

का० आ० 2935.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनाइटेड इन्टरप्राइजेज, 23, बैंक स्ट्रीट, मुम्बई-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35018(12)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2935.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. United Enterprises, 23, Bank Street, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pensions Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35018(12)/76-PF. II]

का० आ० 2936.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि ऐससे चाथामंगलम कोऑपरेटिव मिल्क सप्लाई सोसाइटी लिमिटेड, रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, डाकधर कोषीकोड नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसंबर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(6)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2936.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as the Chathamangalam Cooperative Milk Supply Society Limited, Regional Engineering College post office Kozhikode have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

[No. S. 35019/6/75-PF. II]

का० आ० 2937.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एसोसिएटेड मार्केटिंग एजेन्सी 2/18 भारत बिल्डिंग अस्पा रोड, मद्रास-2 इसमें 5-9-20 1/2 चिराग अली लेन हैदराबाद (2) 201-बी सुखसागर द्विसरी मजिल हथूमस रोड मुम्बई (3) कोठारी बिल्डिंग एम० जी० रोड एनकुलम कोचीम (4) यूनाइटेड बिल्डिंग जय चामराजा बाडियार रोड बगलौर, 560002 स्थित इसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(142)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2937.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Associated Marketing Agencies, 2/18, Bharath Building Anna Road, Madras-2, including its branches at 5-9-201/2, Chirag Ali Lane, Hyderabad, (2) 201-B, Sukh Sagar, 2nd floor, Hughes Road, Bombay, (3) "Kothara Buildings" M.G. Road, Ernakulam, Cochin and (4) "United Building", Jayachamaraja Wadeyar Road, Bangalore-560002 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1974.

[No. S. 35019(142)/75-PF. II]

का० आ० 2938.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कालिसामेरी बीवर्स इण्डस्ट्रियल कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सं० एच० एल०, प्राई एन डी, सी० 12, भगवद्गुप्तारप्पा, डाकधर, कलियासेरी कप्रानोर जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(149)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2938.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Kalliaseri Weaver's Industrial Co-operative Society Limited, No. H. L. Ind. C. 12, Mangattuparamba, Post Office Kalliaseri, Cannanore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S. 35019/149/75-PF. II]

का० आ० 2939.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्टर्टर कोटीनेटल लेडर ट्रेडर्स, बेयरेरी हाई रोड, वेरिया में, मद्रास-3 जिसमें (1) सं० 36, हाईर्स रोड, मद्रास-7 तथा सं० 1/30, पैन्थियान रोड, एगमोर मद्रास-4 स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात से सहमत हो गयी है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना मार्च 1975 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(170)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2939.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Intercontinental Leather Traders, 19, Vepery High Road, Periamet, Madras-3 including its branches at (1) No. 36, Hunters Road, Madras-7 and (2) No. 1/30, Pantheon Road, Egmore, Madras-8 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1975.

[No. S. 35019/170/75-PF. II]

का० आ० 2940.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राजलक्ष्मी प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड सं० 1/154 माउन्ट रोड मद्रास 2 इसमें (1) सं० 4 ईस्ट अन्दर स्ट्रीट, लीची-2 तथा (2) सं० 66 कुरुम्बर स्ट्रीट सलेम 1 स्थित इसकी शाखाएँ भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेण्ठन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जुलाई के प्रवस दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(186)/75-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 2940.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rajalakshmi Production Private Ltd., No. 1/155, Mount Road, Madras-2, including its branches at (1) No. 4, East Andar Street, Trichy-2, and (2) No. 66, Kurumber Street, Salem-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35019(186)/75-PF. II(i)]

का० आ० 2941.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेण्ठन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1975 से मैसर्स राजलक्ष्मी प्रोडक्शन, प्राइवेट लिमिटेड सं० 1/155 माउन्ट रोड, मद्रास-2 इसमें (1) सं० 4 ईस्ट अन्दर स्ट्रीट लीची-2 तथा (2) सं० 66 कुरुम्बर स्ट्रीट सलेम-1 स्थित इसकी शाखाएँ भी हैं नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती हैं।

[सं० एस-35019(186)/75-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 2941.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1975, the establishment known as Messrs. Rajalakshmi Productions Private Limited, No. 1/155, Mount Road, Madras-2, including its branches at (1) No. 4, East Andar Street, Trichy-2, and (2) No. 66, Kurumber Street, Salem-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(186)/75-PF.II(ii)]

का० आ० 2942.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स न्यू इण्डिया वीवर्स इण्डस्ट्रियल कोम्पारेटिव सोसाइटी लिमिटेड, संभाया एच० एल० प्राइवेट लिमिटेड सी०-१, डाकघर, माल्वा कलानोर, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेण्ठन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(228)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2942.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the New India Weavers' Industrial Cooperative Society Limited, No. H.L. Ind. C-I, Post Office Mamba, Cannanore, Kerala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1975.

[No. S.35019(228)/75-PF.II]

का० आ० 2943.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री वेंकटेश्वर डाई, 323-जवाहर बाजार, करुर, तिवो जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेण्ठन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(8)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2943.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Sri Venkateswara Dying Factory, 323, Jawahar Bazar, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952(19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35019/8/76-PF. II]

का० आ० 2944.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पट्टूकोटाई कोआपरेटिंग मार्केटिंग सोसाइटी लिमिटेड टी 831, पट्टूकोटाई, पनजीर जिला, तमिल नाडु नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (19)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2944.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. The Pattukkottai Co-operative Marketing Society Limited, T. 831, Pattukkottai, Thanjavur District, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35019/19/76-PF. II]

का०आ० 2945.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि केरल आटो इंडस्ट्रीयल कोप्रोप्रेटिव लिमिटेड, आई एन डी (ईपी) स० 1 टी० सी० 16/964 पुमापुर, त्रिवेंद्रम-12 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 की जनवरी के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35019/46/76-पी०एफ० II(i)]

S.O. 2945.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Kerala Auto Industrial Co-operative Limited, JND(EP) No. 1 T.C. 16/964, Poojappura, Trivandrum-12, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January, 1976.

[No. S. 35019/46/76-PF. II(i)]

का०आ० 2946.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कार्पोरेशन, 10/1 डी, लाल बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-1 (हेडक्वार्टर), जिसमें 12 कुश्त लेन कलकत्ता-1 (बर्कशाप) स्थित इसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना जनवरी, 1975 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35017/13/75-पी०एफ० II(i)]

S.O. 2946.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs. Relay Corpora-

tion, 10/1D, Lal Bazar Street, Calcutta-1 (Headquarter), including its branch at 12, Crooked Lane, Calcutta-1 (Workshop), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35017/13/75-PF. II(ii)]

का०आ० 2947.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नवद विषय में आवश्यक जाव करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1975 से मैसर्स कार्पोरेशन, 10/1 डी, लाल बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-1 (हेडक्वार्टर) और 12, कुश्त लेन, कलकत्ता (बर्कशाप) स्थित उसकी शाखा महित नामक स्थापन को उक्त परस्तुक के प्रयोगनाम के लिए विनियिष्ट बताती है।

[स० एस० 35017/13/75-पी०एफ० II(ii)]

S.O. 2947.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975, the establishment known as Messrs. Relay Corporation, 10/1D, Lal Bazar Street, Calcutta-1 (Headquarter), including its branch at 12, Crooked Lane, Calcutta-1 (Workshop) for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/13/75-PF. II(ii)]

का०आ० 2948.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कल्प-हना प्रिंटिंग प्रेस औद्योगिक क्षेत्र के पास होती रोड, शोलापुर-3, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1968 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35018/128/73-पी०एफ० II]

S.O. 2948.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Kalp-Kala Printing Press near Industrial Area, Hotgi Road, Sholapur-3, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1968.

[No. S. 35018/128/73-PF. II]

का०आ० 2949.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडियन सिल्क ऐस्पैक्चरिंग कमानी, 41-ए, टोडी प्लेट, सुन्द मिल कम्पाउण्ड, सोयर पारेल, मुमर्श-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजकों और

कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मूल एस० 35018/61/75-पी०एफ० II]

S.O. 2949.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Indian Silk Manufacturing Company, 41-A, Todi Estate, Sund Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S. 35018/61/75-PF. II]

का०आ० 2950.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रसीन होता है कि मैसर्स राजपाल एण्ड सन्स, राजपाल विल्डिंग, इक्यार्ड रोड, रेलवे स्टेशन के सामने रीए रोड, मुम्बई-10, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मार्च के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सूल एस० 35018(65)/75-पी०एफ० II (i)]

S.O. 2950.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rajpal & Sons, Rajpal Building, Opposite Dockyard Road, Railway Station, Reay Road, Bombay-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1974.

[No. S. 35018(65)/75-PF. II(i)]

का०आ० 2951.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रयोग परन्तुक द्वारा दून शक्तियों द्वारा प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक गाँव राज्य के पक्कात् 31 मार्च, 1971 से मैसर्स राजपाल एण्ड

सम, राजपाल विल्डिंग, इक्यार्ड रोड, रेलवे स्टेशन के सामने, रीए रोड, मुम्बई-10 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[सूल एस० 35018/65/75-पी०एफ० I(ii)]

S.O. 2951.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of March, 1974, the establishment known as Messrs. Rajpal & Sons, Rajpal Building, Opposite Dockyard Road, Railway Station, Reay Road, Bombay-10, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/65/75-PF. II (ii)]

का०आ० 2952.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कपुरथला प्राइमरी कोऑपरेटिव सैण्ड मॉर्टगेज बैंक लिमिटेड, कपुरथला, जिसके अन्तर्गत (1) सुल्तानपुर और (2) भोलाठ स्थित उमसी शाखाएं भी आती हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1971 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मूल एस० 35019/16/76-पी०एफ० II (i)]

S.O. 2952.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Kapurthala Primary Co-operative Land Mortgage Bank Limited, Kapurthala including its branches at (1) Sultanpur and (2) Bholath, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1971.

[No. S. 35019/16/76-PF. II(i)]

का०आ० 2953.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एण्डिप्राइमरी आव्हीजन लिमिटेड, ग्राम अहमारी तरग, डाकघर बेदभास, बरास्ता पानपोश, सुन्दरगढ़, जिसके अन्तर्गत (1) उदित नगर, राउरकेला (2) पिलीप्रिंग रोड, सुन्दरगढ़ और (3) ओल्ड टैक्सी स्टैण्ड के पीछे, सम्बलपुर स्थित उमसी शाखाएं भी आती हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मूल एस० 35019(251)/74-पी०एफ० II]

S.O. 2953.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Asiatic Oxygen Limited, Vill-Bramani Tarang, Post Office Vidyas, Via-Panposh, Sundargarh including its branches at (1) Udit Nagar, Rourkela, (2) Pilgrim Road, Cuttack-1 and (3) Behind old Taxi Stand, Sambalpur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1973.

[No. S. 35019 (251)/74-PF. II]

का०आ० 2954.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स असाम पृष्ठ भेषालय मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, गिलांग नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 30 जून, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019 (164)/75-पी०एफ० 2]

S.O. 2954.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Assam and Meghalaya Mineral Development Corporation Limited, Shillong, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1974.

[No. S. 35019/164/75-PF. II]

का०आ० 2955—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मिश्र धातु निगम लिमिटेड, सुपर अलायर, प्रोजेक्ट, डाकघर ढी एम आर एल, हैदराबाद-58, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 28 फरवरी, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(191)/75-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 2955.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Mishra Dhatu Nigam Limited, Superalloys Project, Post Office DMRL, Hyderabad-58 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1975.

[No. S. 35019/191/75-PF. II(ii)]

का०आ० 2956.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात्, 28 फरवरी, 1975 से मैसर्स मिश्र धातु निगम लिमिटेड, सुपर प्रलायर प्रोजेक्ट, डाक घर ढी एम आर एल, हैदराबाद-58 नामक स्थापन का उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[सं० एस०-35019(191)/75-पी०एफ० 2 (ii)]

S.O. 2956.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the twenty eighth day of February, 1975, the establishment known as Messrs. Mishra Dhatu Nigam Limited, Superalloys Project, Post Office DMRL, Hyderabad-58, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/191/75-PF. II(ii)]

का०आ० 2957.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हाल्डा फैसिल सेन्टर, अमित चैम्बर्स, धीनबई टावर के साथने, लाल दरवाजा, प्रह्लदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 30 नवम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019 (55)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2957.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Haldia Facit Service Centre, Amit Chambers, Opposite Dinbai Tower, Lal Darwaja, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1975.

[No. S. 35019/55/76-PF. II]

का०आ० 2958.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्टान रेल प्राइवेट लिमिटेड, राम मुक्तेश्वर रोड, इण्डियन एरिया, प्रतापनगर, बड़ोदा-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(203)/74-पी.एफ. 2]

S.O. 2958—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Stan Rel Private Limited, Ram-Mukleshwar Road, Industrial Area, Pratapnagar, Baroda-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973.

[No. S. 35019/203/74-PF II]

का०आ० 2959.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैर्सी निवेदी एसोसिएट्स, 4020/14 अस्टोडिया गोर, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019 (53)/76-पी.एफ. 2]

S.O. 2959.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Trivedi Associates, 4020/14, Astodia Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1975.

[No. S. 35019/53/76-PF. II]

का०आ० 2960.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डेसाई एण्ड कम्पनी, अभिन चैम्बर्स धीनशाई टावर के सामने, लाल दरवाजा, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(54)/76-पी.एफ. II]

S.O. 2960.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kant Desai and Company, Amit Chambers, Opposite Dinbai Tower, Lal Darwaja, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1975.

[No. S. 35019/54/76-PF. II]

का०आ० 2961.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राष्ट्रिंग टिवर्सिंग वर्क्स, सी/16, उद्योग नगर, नवसरी, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इक्सीस दिम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019 (91)/76-पी.एफ. 2]

S.O. 2961.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rashmi Twisting Works, C/16, Udyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/91/76-PF.II]

का०आ० 2962.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सहकारी प्रिंटिंग प्रेस, सहयोग ज्योति संघ के सामने, रिलीफ गोड, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(4)/76-पी.एफ. 2]

S.O. 2962.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sehkar Printing Press, "Sahyog", opposite Jyoti Sangh, Relief Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1975.

[No. S. 35019/4/76-PF. II]

का० आ० 2963.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स आटोमिल इण्डस्ट्रीज आफ इण्डिया रोड न० ४ उद्योग नगर, उधना जिला सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस वात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 30 जून, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35019 (230)/74-पी० पक० 2]

S.O. 2963.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Automill Industries of India, Road, No. 8, Udyognagar, Udhana, District, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973.

[No. S. 35019/230/74-PF. II]

आ० आ० 2964.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स गुजरात आटो इलेक्ट्रिक एण्ड ऑटोमोटिव सर्विस, विजली घर के निकट, लाल दरवाजा, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस वात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 30 प्रैले, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम०-35019 (160)/75-पी० पक० 2]

S.O. 2964.—Whereas it appears to the Central Government that employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Gujarat Auto Electric and Diesel Service, Near Electricity House, Lal Darwaja, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

The notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973.

[No. S. 35019/160/75-PF. II]

का० आ० 2963.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स इण्डिया नुलगोदार घटीबाला, स्टेशन के गामने, भुरान नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस वात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 31 मई, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम०-35019 (205)/74-पी० पक० 2]

S.O. 2965.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ishwarlal Tulsidas Ghariwala, Opposite Station, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1973.

[No. S. 35019/205/74-PF. III]

का० आ० 2966.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि दीपक आटो स्टोर्स, मैरी सदन, मिर्जापुर मार्ग, अहमदाबाद-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु संख्या इस वात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1974 के जून के सीमने दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम०-35019/(122)/76-पी० पक० II]

S.O. 2966.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment as Messrs Deepak Auto Stores, Maitri Sadan, Mirzapur Road, Ahmedabad-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1974.

[No. S. 35019/(122)/76-PF.II]

का० आ० 2967.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स मानकोचे कोम्पोरेटिव बैंक लिमिटेड, मानकोचे, अहमदाबाद जिसमें न्यूकलाय भार्केट, अहमदाबाद के सामने स्थित इमारी 'रापुरे' शाक्ता समिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की

बहुमत्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के जन के नीमबे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम-35019/116/75-पी०एफ० II]

S.O. 2967.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. The Manekchowk Co-operative Bank Limited Manekchowk, Ahmedabad including its Raipur Branch, opposite New Cloth Market, Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1974.

[No. S. 35019/116/75-PF II]

का०आ० 2968.—अत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि य०डी० पटेल एस्टेट, 2/15, 2/16, इण्डियल एस्टेट, गोरखा रोड, बड़ीदा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम-35019/(122)/74-पी०एफ० II (i)]

S.O. 2968—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs U. D. Patel Estate, 2/15, 2/16, Industrial Estate, Gorva Road, Baroda, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S. 35019/(122)/74-PF. II(i)]

का०आ० 2969.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में प्रावश्यक जाति करने के पश्चात केरल शास्त्री इण्डियल एस्टेट, आर्हानगन्धी० (ईपी०) म० 1, टी०सी० 16/961, पूजापुर विवेन्द्रम-12 नामक स्थापन को 31 जनवरी, 1976 से उक्त परत्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[म० एम-35019/(122)/74-पी०एफ० II (ii)]

S.O. 2969.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the thirty first day of March, 1973 the establishment known as Messrs U. D. Patel Estate, 2/15, 2/16, Industrial Estate, Gorva Road, Baroda, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(122)/74-PF. II(ii)]

का०आ० 2970.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सवद्ध विषय में प्रावश्यक जाति करने के पश्चात केरल शास्त्री इण्डियल एस्टेट, आर्हानगन्धी० (ईपी०) म० 1, टी०सी० 16/961, पूजापुर विवेन्द्रम-12 नामक स्थापन को 31 जनवरी, 1976 से उक्त परत्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[म० एम-35019 (46)/76-पी०एफ० II (ii)]

S.O. 2970.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st day of January, 1976 the establishment known as The Kerala Auto Industrial Co-operative Limited, IND (E.P) No. 1 T. C. 16/964 Poojapura, Trivandrum-12 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/46/76-PF. II(ii)]

का०आ० 2971.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हैमोसन्स, 8, जेवियर्स स्ट्रीट, मद्रास-1 और 1/141, गोडाउन स्ट्रीट स्थित इसका प्राणसंनिक कार्यालय नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अत, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम-35019 (189)/74-पी०एफ० 2]

S.O. 2971.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hamasons, 8, Xaviers Street, Madras-I and its Administrative Office at 1/141, Godown Street, Madras-I, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1974.

[No. S. 35019 (189)/74-PF. II]

का०आ० 2972.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एलाइ शास्त्री एजेसीज, एम-28 कनाट सरकार, नई दिल्ली, जिसके अन्वर्ग मान्धी रोड, डेंहरादून मिथि उसकी शाखा भी आती है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर

सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1968 के अप्रैल के प्रथम विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम. 35019 (203)/75-पी०एफ० 2]

S.O. 2972.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Allied Auto Agencies, M-28, Connaught Circus, New Delhi including its branch at Gandhi Road, Dehra Dun, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1968.

[No. S. 35019(203)/75-PF. II]

का० आ० 2973.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इलेक्ट्रॉनिक रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड 28 के० एच० रोड बगलोर-27 (जिसमें (1) 9 एम० जी० रोड बगलोर तथा (2) कोयम्बटूर रोड पालबाट स्थित इसकी शाखाएँ भी हैं) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1974 के सितम्बर के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम. 35019 (249)/74-पी०एफ० 2]

S.O. 2973.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Electronic Research Private Limited, 28, K. H. Road, Bangalore-27 including branches at (1) Office at 9, M. G Road, Bangalore-1 and (2) Coimbatore Road, Palghat-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1974.

[No. S. 35019(249)/74-PF. II]

का०आ० 2974.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय

में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 29 फरवरी, 1976 से मैसर्स चेला राम मिल्स प्राइवेट लिमिटेड 102, ए० एम० लेन चिक्पेट क्रास बगलोर-53 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एम. 35019 (57)/76-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 2974.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the twenty ninth day of February, 1976 the establishment known as Messrs Challaram Mills Private Limited, 102, A.M. Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(57)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 2975.—कर्मचारी भविष्य निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय भर्कार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स एम० के० इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन, बी-252, नारायणा इण्डस्ट्रियल एरिया फैज-1, नई दिल्ली-28 नामक स्थापन को 1 जुलाई, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एम. 35019 (222)/75-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 2975.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1973, the establishment known as Messrs Emkay Industrial Corporation, B-252, Naraina Industrial Area, Phase-I New Delhi-28, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(222)/75-PF. II(ii)]

का०आ० 2976.—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स धर्बार केमिकल इण्डस्ट्रीज, बोलार, मंगलोर-8, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अब, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम की उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना एक नवम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम. 35019 (115)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2976.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dharbar Chemical Industries, Bolar, Mangalore-8, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1975.

[No. S. 35019(115)/76-PF. II]

का० आ० 2977.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य नियम, 1952 के पैरा 5 के साथ पठित पैरा 4 के उपरैरा (1) के के अनुसरण में और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना स० का० आ० 2494 तारीख 8 जुलाई, 1968 को अधिकान्त करते हुए, हरियाणा राज्य के लिए एक प्रादेशिक नियमित गठित करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे, भारत—

अध्यक्ष

1. भवित्व, हरियाणा सरकार, श्रम और रोजगार विभाग, चंडीगढ़।

सचिव-

2. उपसचिव, भारत सरकार, वित्त विभाग, चंडीगढ़।

3. श्रम आयुक्त,

हरियाणा, चंडीगढ़।

4. श्री के० डॉ० बुशाणी, कार्यपालक अधिकारी, गैर्डीर टूल्स प्राइवेट लिमिटेड, पोस्ट बॉक्स स० 11 नव श्रीदीपिक थोल, करीदाबाद।

5. श्री ध्रो० पी० मिगल, मैमसै म्टील आफ्टर्स, जी० टी० रोड, पानीपत।

6. श्री राजिन्दर नाथ, मैमसै सी० भाल इलेक्ट्रिकल एण्ड ऐकेनिकल श्रीदीपिक थोल, प्रभाला गाहर।

7. श्री दर्शन मिहू, अध्यक्ष, फरीदाबाद इंजीनियरी कर्मसूचना संबंधी, मार्केट एकाता भवन, सिल्केट थैंक के निवाट, मार्केट स० 1, नव श्रीदीपिक उपनगर, फरीदाबाद, (हरियाणा)

8. श्री जी० सी० जोशी, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय अवसाय संघ कांग्रेस, हरियाणा, 382, मॉडल कालोनी यमुनानगर, जिला अमृतला।

9. श्री रोहताम कुमार, विजय निवास, हांसी रोड, भिवानी (हरियाणा)।

केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त।

राज्य सरकार की सिफारिश पर केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त दो व्यक्ति।

राज्य में नियोजकों के संगठनों के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त नियोजकों के तीन प्रतिनिधि।

राज्य में कर्मचारियों के संगठनों के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त कर्मचारियों के तीन प्रतिनिधि।

[स० वी० 20012(1)/73, पी० एफ० II]
एग० एस० सहस्रानामन, उप-मचिव

S. O. 2977.—In pursuance of sub-paragraph (1) of paragraph 4 read with paragraph 5 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2494 dated the 8th July, 1968, the Central Government hereby sets up a Regional Committee for the State of Haryana consisting of the following persons, namely:

Chairman :

1. Secretary to the Government of Haryana, Labour and Employment Department, Chandigarh. Appointed by the Central Government.

Members :

2. The Deputy Secretary to the Government of Haryana, Finance Department, Chandigarh.
3. The Labour Commissioner, Haryana, Chandigarh.

Two persons appointed by the Central Government on the recommendation of the State Government.

4. Shri K.D. Bakshi, Executive Officer, Gedore Tools (P) Limited, Post Box No. 11, New Industrial Area, Faridabad.
5. Shri O. P. Shingla, Messrs Steel Krafts, G.T. Road, Panipat.
6. Shri Rajinder Nath Messrs C. Lall Electrical and Mechanical, Industrial Estate, Ambala City.

7. Shri Darshan Singh, President, Faridabad Engineering Workers Union, C/o Ekta Bhawan, near Syndicate Bank Market No. 1, New Industrial Town, Faridabad (Haryana).
8. Shri G. C. Joshi, President, Indian National Trade Union Congress, Haryana, 582, Model Colony, Yamunanagar, District, Ambala.
9. Shri Rohtas Kumar, Vijay Niwas, Hansi Road, Bhiwani (Haryana).

Three representatives of employers appointed by the Central Government in consultation with the organisations of employers in the State.

Three representatives of employees appointed by the Central Government in consultation with the organisations of employees in the State.

[No. V. 20012/1/73-PF. III
S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1976

का० आ० 2978.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य वीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की घारा 88 द्वारा प्रदत्त एकिनियों का प्रयोग करते हुए कृषि मन्त्रालय के प्रधीन शृण्डीयेटिंग फिरारीज श्रेष्ठेट, एन्टीक्लूम् के आइस-कम-फीजिंग लाण्ट, वर्कशाप्स एण्ड शिपवेक्स, इलेक्ट्रोनिक सेक्शन, प्रोमेसिंग स्टेशन एण्ड ग्रीयर सेक्शन, मे के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 11 जुलाई, 1966 से 5 सितम्बर, 1975 तक जिसमें यह दिन भी मम्मिलित है, की अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट निम्नलिखित शर्तों पर है, भारत—

- (1) पूर्योक्त कारब्लाना जहा कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर्ड रबेगा जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पश्चात्यानन दिखाए जाएंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के प्रधीन ऐसी प्रमुखियाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनके लिए वे इस अधिसूचना में दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व सदत अधिदायों के प्राप्तार पर हफकार हो गए हों;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए, यदि काई अधिकार्य पहले ही किए जा चुके हो तो वे वापस नहीं किए जाएंगे,
- (4) उक्त कारब्लाने का नियोजक, उम अवधि की बास, जिसके द्वारा यह कारब्लाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के प्रधीन या, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्रलृप में और ऐसी विशिष्टियों महित देगा जो कर्मचारी राज्य वीमा अधिनियम (साधारण) विनियम, 1950 के प्रधीन उक्त अवधि के सबध में उस देनी थीं,
- (5) निगम द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के प्रत्यान नियुक्त किए गया काई नियोजक, या निगम का काई अन्य पदधारी जो इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो—
- (i) धारा 14 के उपधारा (1) के प्रधीन उक्त अधिकारी की बाबत दी गई किसी विवरणी में अन्तर्गत विशिष्टियों को सम्पादित करने के प्रयोजनतार्थ, या
- (ii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनतार्थ कि क्या उक्त अवधि की बाबत, कर्मचारी राज्य वीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथावैधित रजिस्टर और अधिकार रखे गए थे, या

- (iii) यह अनिवार्य करने के प्रयोजनार्थ कि क्या कर्मचारी, नियोजक द्वारा और बम्पु के सप में दिए जाने वाले उन फायदों को पाने के अब भी हाफवार बने हुए हैं जिसके प्रतिकल स्थाप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, या
- (iv) यह अनिवार्य करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उसके कारबाहों के सबव में ऐसे उपचार प्रदूष ये, अधिनियम के उपक्रमों में से किसी का अनुपायन किया गया था, निम्नलिखित के लिए सशक्त होगा, अर्थात् —
- (क) प्रयान या अव्यवहित नियोजक से अवेक्षा करना कि वह उसे ऐसी सूचना दे जिसे वह आवश्यक समझे ; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगधीन किसी कारबाहे, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्तियुक्त समय पर प्रवेश करना और ऐसे अवित में, जो उसका भास्माधन कर रहा हो, ऐसी अवेक्षा करना कि वह ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समझ ऐसी लेखा बहिया श्रीर अन्य दस्तावेज़, जो अवितयों के नियोजन और मजदूरी के सवाय में सबधित हो, प्रस्तुत करे, और उसे उनकी परीक्षा करने दे या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिससे वह आवश्यक समझे, या
- (ग) प्रयान या अव्यवहित नियोजक उसके अभिकर्ता या सेवक या किसी ऐसे अवित को जो ऐसे कारबाहे, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में पाया जाए या जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पाम यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह अवित कर्मचारी है, परीक्षा करना, या
- (घ) ऐसे कारबाहे, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की प्रतिया तैयार करे या उससे कोई उद्धरण उतारना।

व्यावसायिक कापन

इस मामले में छूट को पूर्वाधीनी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है, क्योंकि छूट की मजदूरी के लिए नियोजक का आवेदन गत दिन से प्राप्त हुआ था। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि कारबाहे के कर्मचारी छूट के लिए पात्र हैं। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वाधीनी प्रभाव से छूट की मजदूरी किसी भी अवित के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती।

[गोप्य 38014/16/74/पञ्चमाई]

New Delhi, the 26th July, 1976

S.O. 2978.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby exempts the regular employees in Ice-cum-Freezing Plant, Workshop, and Shipways, Electronics Section, Processing Station and Gear Section of the Integrated Fisheries Project, Ernakulam, under the Ministry of Agriculture from the operation of the said Act for the period from the 11th July, 1966 upto and inclusive of the 5th September, 1975.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;
- be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the application of the employer for grant of exemption was received late. However, it is certified that the employers of the factory are eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/16/74-HI]

का० आ० 2979—केन्द्रीय गवर्नर, कर्मचारी राज्य शीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग, करने हुए, वैज्ञानिक और ग्रोथोगिक ग्रनुसंधान परिषद् के नियन्त्रणार्थी राज्यप्रयोगालाला, पुणे को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से इस अधिसूचना के गतजात में प्रकाशन की जारीब हो एक बर्प की अवधि के लिए छृष्ट होती है।

2 प्रबोल छृष्ट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् —

- (1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके द्वारान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रयोगालन था (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अवधि' कहा गया है), ऐसी विवरणिया, ऐसे प्रूफ से और ऐसी विशिष्टियों महित देगा जो कर्मचारी राज्य शीमा (माधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी,
- (2) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या नियम या इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी —
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विविष्टियों को मध्यांतर करने के प्रयोजनार्थ, या
 - (ii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य शीमा (माधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथास्थेतिन ग्रिस्टर और अभिनेत्र का, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या
 - (iii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन कायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छृष्ट दी जा रही है, नकद में और वस्तु क्षमा में पाने का हक्कार बना रखा है या नहीं; या
 - (iv) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के द्वारा, जब उक्त कारखाने के मवन्ध में अधिनियम के उपर्युक्त प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का घन्यालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सक्षम होगा :—

- (क) प्रधान या अध्यवहित नियोजक से प्रोक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक ममता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अध्यवहित नियोजक के अधिभोगार्थीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रबोल करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह अपेक्षियों के नियोजन ग्राह राज्यपूर्ण के सन्दर्भ से प्रबन्धित ऐसे लेखा, बहित्री और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के मध्य प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक ममता है; या
- (ग) प्रधान या अध्यवहित नियोजक की, उसके अधिकारी या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी उत्तिर्दर, लेखावर्ती या अन्य दस्तावेज की सकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[मं० एस०-३८०१/२१/७६/एन० आई०]

S.O. 2879.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the National Laboratory, Poona under the control of the Council of Scientific and Industrial Research from the operation of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether the registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;
- be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S. 38014/21/76-HI]

का० था० 2980.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपाधारा (1) के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से चिकित्सा प्रशुद्धिधा परिषद का पुनर्गठन करती है; जिस में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अथवा:—

अध्यक्ष

(1) महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा, भारत सरकार (पटेन)।

सदस्य

(2) डा० शरद कुमार,
उप महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा (चिकित्सा),
भारत सरकार।
(केन्द्रीय सरकार द्वारा नामनिर्देशित)।

(3) चिकित्सा आयुक्त,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम (पटेन)।

(धारा 10 की उपाधारा (1) के अंडे (व) के अधीन सम्बद्ध राज्य सरकार द्वारा नामनिर्देशित)।

(4) डा० टी० एन० संधी,
उपनिदेशक, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा,
आनन्द प्रदेश सरकार,
हैवराबाद।

(5) डा० बी० एल० दास,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
श्रम सरकार,
गोहाटी।

(6) डा० ए० पी० बर्मि,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
श्रम और रोजगार विभाग,
बिहार सरकार, पटना।

(7) डा० एच० एन० पटेल,
चिकित्सा सेवा निदेशक,
(कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम)
गुजरात सरकार,
अहमदाबाद।

(8) डा० एम० शाह,
महाराष्ट्र निदेशक,
स्वास्थ्य सेवा (सामाजिक बीमा),
हिंस्याणा सरकार,
चांडीगढ़।

(9) डा० एम० एम० एस० शोकर,
निदेशक,
स्वास्थ्य सेवा और परिवार नियोजन,
हिमाचल प्रदेश सरकार,
चिमला।

(10) श्री आगा सैथद अलाफ,
श्रम आयुक्त,
जमू और कर्मीर,
श्रीनगर।

(11) डा० बी० बी० पुत्रराज उमं,
निदेशक,
स्वास्थ्य और परिवार नियोजन सेवा,
कर्नाटक सरकार,
बंगलौर।

(12) डा० टी० एन० एन० भट्टाचार्य,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
केरल सरकार,
क्रिबेन्द्रम।

(13) डा० पी० एम० दवे,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
मध्य प्रदेश, सरकार, इन्दौर।

(14) डा० शार० बी० डिंगे,
निदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
महाराष्ट्र सरकार,
बांगड़।

(15) श्री एस० मार्थेन,
सचिव,
मेघालय सरकार,
श्रम विभाग,
शिलांग।

(16) श्री के० एम० पुरी,
सचिव,
नागार्जुन सरकार,
गुह विभाग,
कोहिमा।

(17) डा० पी० सी० रथ,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर।

(18) डा० आसा सिंह
निदेशक,
स्वास्थ्य सेवा,
पंजाब सरकार,
चांडीगढ़।

(19) डा० बी० एम० शर्मा,
अधिकारी निदेशक,
चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएँ,
(परिवार नियोजन), राजस्थान सरकार,
जयपुर।

(20) डा० पी० शार० बालकृष्णन,
निदेशक,
स्वास्थ्य सेवा और परिवार नियोजन,
तमिल नाडु सरकार,
मद्रास।

(21) श्री एच० मुखर्जी,
सचिव, किंपुरा सरकार,
श्रम विभाग, अग्रतला,

(22) डा० एस० बी० लूथरा,
संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवा,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
उत्तर प्रदेश सरकार,
कानपुर।

(23) डा० य० एन० शाह,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा (चिकित्सा प्रशुद्धिधा): स्कीम,
पश्चिम बंगाल सरकार,
64, गणेश अन्दर एवेन्यू, कলकत्ता।

(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ङ) के प्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन हेतु मान्यताप्राप्त नियोजकों के संगठनों के साथ परामर्श करके, नाम निर्देशित)।

(24) डा० बी० डी० कौशल,

चिकित्सा अधिकारी,

दिल्ली क्लाय मिल्स,

बाजा हिन्दुराम,

दिल्ली।

(25) श्री आर० एन० जोणी,

लक्ष्मी विणू टैमस्टाईल मिल्स लिमिटेड,

एयर लाइन्स होटल बिल्डिंग,

199, चर्च गेट रेसलमेनेन,

पोस्ट बाब्स सं० 11146,

बम्बई-400020।

(26) श्री आर० एस० भोएङ्गा,

मुख्य सलाहकार,

धीरोगिक सम्बन्ध,

हंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन,

रायल एक्सचेंज, 6, नेताजी सुभाष रोड,

कलकत्ता-1।

(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ङ) के प्रधीन सरकार द्वारा इस प्रयोजन हेतु मान्यता प्राप्त कर्मचारियों के संगठनों के साथ परामर्श करके नामनिर्देशित)।

(27) श्री ए० सी० सेकिया एम० एस० ए०,

महासचिव भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस,

असम शाखा, उलूबारी, गोहाटी-7।

(28) श्री सुमेर सिंह,

उपाध्यक्ष,

भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस मध्य प्रदेश शाखा,

अमृश्विर, तानसेन मार्ग,

बिहुला नगर, खालियर-4।

(29) डा० समर राय चौधरी,

8, डा० सरत बनर्जी रोड,

कलकत्ता-29 (पश्चिम बंगाल)।

(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ङ) के प्रधीन सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा व्यवसायियों के संगठनों के साथ परामर्श करके नामनिर्देशित)।

(30) डा० (श्रीमती) ललिता राव,

141, कैलास, सोयन (पश्चिम),

बम्बई-400022।

(31) डा० एन० एन० भट्टाचार्य,

95, घर्खल मिस्टरी लेन,

कलकत्ता-700009।

(32) वैद्य श्री पी० के० वासिमर,

आर्य वैश्वानारा,

कोट्टाक्कल, केरल।

[संख्या ए० 23012/2/75-एच० आई०]

S.O. 2980.—In pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby reconstitutes the Medical Benefit Council which shall, with effect from the date of

publication of this notification in the Official Gazette, consist of the following members, namely :—

Chairman

(1) The Director General of Health Services,
Government of India (Ex-Officio).

Members

(2) Dr. Sharad Kumar,
Deputy Director General of Health Services (Medical),
Government of India,
(Nominated by the Central Government).

(3) The Medical Commissioner,
Employees' State Insurance Corporation (Ex-Officio).
(Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of section 10).

(4) Dr. T. N. Sanghi,
Deputy Director of Medical and Health Services,
Government of Andhra Pradesh,
Hyderabad.

(5) Dr. B. L. Das,
Administrative Medical Officer,
Employees' State Insurance Scheme,
Government of Assam, Gauhati.

(6) Dr. A. P. Verma,
Administrative Medical Officer,
Employees' State Insurance Scheme,
Department of Labour and Employment,
Government of Bihar,
Patna.

(7) Dr. H. N. Patel,
Director of Medical Services,
(Employees' State Insurance Scheme),
Government of Gujarat,
Ahmedabad.

(8) Dr. S. Shah,
Assistant Director,
Health Services (Social Insurance),
Government of Haryana,
Chandigarh.

(9) Dr. S. M. L. Grover,
Director of Health Services and Family Planning,
Government of Himachal Pradesh,
Simla.

(10) Shri Aga Syed Altaf,
Labour Commissioner,
Government of Jammu and Kashmir,
Srinagar.

(11) Dr. B. V. Puttaraj Urs,
Director of Health and Family Planning Services,
Government of Karnataka,
Bangalore.

(12) Dr. T. N. N. Bhattathiripad,
Administrative Medical Officer,
Employees' State Insurance Scheme,
Government of Kerala,
Trivandrum.

(13) Dr. P. S. Dave,
Administrative Medical Officer,
Employees State Insurance Scheme,
Government of Madhya Pradesh.
Indore.

(14) Dr. R. C. Dighe,
Director Employees State Insurance Scheme,
Government of Maharashtra,
Bombay.

(15) Shri S. Marwein,
Secretary to the Government of Meghalaya,
Labour Department,
Shillong.

(16) Shri K. S. Puri,
Secretary to the Government of Nagaland,

- Home Department,
Kohima.
- (17) Dr. P. C. Rath,
Administrative Medical Officer,
Employees' State Insurance Scheme,
Government of Orissa,
Bhubaneswar.
- (18) Dr. Asa Singh,
Director, Health Services,
Government of Punjab,
Chandigarh.
- (19) Dr. B. M. Sharma,
Additional Director, Medical and Health Services
(Family Planning), Government of Rajasthan,
Jaipur.
- (20) Dr. P. R. Balakrishnan,
Director of Health Service and Family Planning,
Government of Tamil Nadu,
Madras.
- (21) Shri H. Mukherjee,
Secretary to the Government of Tripura,
Labour Department,
Agartala.
- (22) Dr. S. B. Luthra,
Joint Director of Health Services,
Employees' State Insurance Scheme,
Government of Uttar Pradesh,
Kanpur.
- (23) Dr. U. N. Saha, Administrative Medical Officer,
Employees' State Insurance (Medical Benefit)
Scheme,
Government of West Bengal,
64, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta.
(Nominated by the Central Government under clause (e) of sub-section (1) of section 10, in consultation with organisations of employers recognised by the Central Government for the purpose).
- (24) Dr. B. D. Kaushal,
Medical Officer,
Delhi Cloth Mills,
Bara Hindu Rao, Delhi.
- (25) Shri R. N. Joshi,
Laxmi Vishnu Textile Mills Limited,
Airlines Hotel Building,
199, Churchgate Reclamation,
Post Box No. 11146, Bombay-400020.
- (26) Shri R. L. Moitra,
Chief Adviser, Industrial Relation,
Indian Jute Mills Association,
Royal Exchange, 6, Netaji Subhas Road,
Calcutta-1.
(Nominated by the Central Government under clause (f) of sub-section (1) of section 10, in consultation with organisations of employees recognised by the Government for the purpose).
- (27) Shri A. C. Saikia, M.L.A.,
General Secretary, Indian National Trade Union Congress Assam Branch, Ulubari,
Gauhati-7.
- (28) Shri Sumer Singh,
Vice President, Indian National Trade Union Congress—Madhya Pradesh Branch,
Shram Shibir, Tansen Marg, Birlanagar,
Gwalior-4.
- (29) Dr. Samar Roy Choudhury,
8, Dr. Sarat Banerji Road,
Calcutta-29 (West Bengal).
(Nominated by the Central Government under clause (g) of sub-section (1) of section 10, in consultation with organisations of Medical Practitioners recognised by the Government for the purpose).
- (30) Dr. (Mrs.) Lalita Rao,
141, Kailas, Sion (West),
Bombay-400022.

- (31) Dr. N. N. Bhattacharjee,
95, Akhil Mistry Lane,
Calcutta-700009.
- (32) Vaidy Sri P. K. Warrier, Aiyavaidya Sala,
Kottakkal, Kerala.

[No. U. 23012/2/75-HI]

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1976

का० आ० 2981—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना म० का० आ० 2750 तारीख 28 सितम्बर, 1974 के अनुक्रम में दि॒ इडियन रिकाइर्ज लिमिटेड, गोहाटी को, उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 19 अक्टूबर, 1975 से 18 अक्टूबर, 1976 तक जिम्में यह विन भी मन्मिलित है एक और वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके द्वारा उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अवधि' कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्रलृप में और ऐसी विशिष्टियों भित्ति देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई नियोजक, या तियम का इस निमित प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत वीर गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथाविधित रजिस्टर और अभिनेत्र उक्त अवधि के लिये रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि उक्त अवधि के द्वारा जब उक्त कारखाने, के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रदृढ़ थे, ऐसी किन्हीं उपबन्धों में से किसी का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त नियोजक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से अपेक्षा करना कि वह अवक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसी लेखा बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे नियोजक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने वे, या उन्हे जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं;

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी अवक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी अवक्ति

की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परंपरा करता; या

- (घ) ऐसे कारखाने, स्थान, कार्यालय या अन्य परिसर में एवं इसी रजिस्टर, लेखांडही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करता या उससे उद्धरण लेता।

प्राप्तिकालक आपन

इस मामले में छूट को पूरविकी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के नवीकरण के लिये नियोजक से प्रार्थना पढ़ दी रखी से प्राप्त हुआ था। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियों में कारखाने को मूल रूप में छूट प्रदान की गई थी, वे अभी तक विद्यमान हैं और कारखाना छूट के लिये पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूरविकी प्रभाव से छूट की भौतिकी किसी भी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगी।

[मा० एस०-38017/4/74-एच० आई०]

New Delhi, the 27th July, 1976

S.O. 2981.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2750 dated the 28th September, 1974, the Central Government hereby exempts the Indian Refineries Limited, Gauhati, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 19th October, 1975 upto and inclusive of 18th October, 1976.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
 - (2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;
- be empowered to—
- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine

such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the application from the employer for the renewal of exemption was received late. However, it is certified that the conditions under the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38017/4/74-HI]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1976

का० आ० 2982.—प्रत: केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (ङ) के प्रत्युत्तर में श्री के० डी० गुप्ता के स्थान पर श्री एस० एस० संजाचिरि, अमायुक्त, दिल्ली को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में संघ शासित दोषों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः प्रत: केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1517, तारीख 14 अगस्त, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खंड (ङ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)” शब्दिक के नीचे मद 28 के मामते की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

श्री एस० एस० संजाचिरि,
अमायुक्त,
दिल्ली प्रशासन,
दिल्ली।

[संख्या य०-16012(6)/76-एच० आई०]

New Delhi, the 29th July, 1976

S.O. 2982.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (e) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1946), nominated Shri S. S. Sanzagiri, Labour Commissioner, Delhi, to represent the Union territories on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri K. D. Gupta ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1946), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading “(nominated by the Central Government under clause (e) of section 4)”, for the entry against item 28, the following entry shall be substituted, namely.—

Shri S. S. Sanzagiri,
Labour Commissioner,
Delhi Administration,
Delhi.

[No. U-16012(6)/76-HI]

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1976

का० आ० 2983.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, फटिलाइजर एंड केमिकल्स, ट्रावनकोर लिमिटेड, उद्योगमण्डल फटिलाइजर एंड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड (कोर्चिन इंडियन) अम्बालामेड और हिन्दुस्तान इन्सेक्टिसाइड्स लिमिटेड, अस्थोय में अधिनियोजित, केन्द्रीय ग्रीष्मोगिक सुरक्षा दल कार्मिकों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से एक वर्ष भी अवधि के लिए छूट देती है।

2 पूर्वोक्त छूट की गते निम्नलिखित हैं, अर्थात्—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूटप्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाधिकार दिखाए जाएंगे।
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रशुद्धियां प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा वीर्ग छूट के प्रवत्त होने की तारीख से पूर्व संदर्भ अधिकारों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभियाय पहले ही किए जा सके हों तो वे वापिस नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजन, उस अवधि की बाबत जिसके द्वारा उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तनान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अवधि' कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्रकार में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी।
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य परवधारी,—
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत वीर्ग किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या
 - (ii) यह अधिनियित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथाप्रयोक्ता रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
 - (iii) यह अधिनियित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन कायदों को, जिसके प्रतिकलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट वीर्ग जा रही है, नकद और बस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
 - (iv) यह अधिनियित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के द्वारा, अब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपवन्ध प्रवृत्त हो, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा,—
 - (k) प्रधान या अध्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य परवधारी आवश्यक समझता है; या
 - (l) ऐसे प्रधान या अध्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी व्यक्ति से अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी

के संदर्भ से संबंधित ऐसी सेवा अद्यिया और प्रत्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य परवधारी के समर्थ प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हे ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(g) प्रधान या अध्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य परवधारी के पास यह विवरास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना;

(h) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखावधी या अन्य वस्तावेज की नकल हैरान करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं० एम० 38014/22/76-एच० आई०]

New Delhi, the 30th July, 1976

S.O. 2983.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the Central Industrial Security Force Personnel deployed at Fertilizer and Chemicals Travancore Limited, Udyogmandal, Fertilizer and Chemicals Travancore Limited (Cochin Division) Ambala-medu and Hindustan Insecticides Limited, Alwaye from the operation of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. The above exemption is subject to the following conditions namely :

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designation of the exempted employees :
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject of the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period) such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;
- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S. 38014/22/76-HI]

का० आ० 2984.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जोली फिल्म (प्राइवेट) लिमिटेड, एम० जी० रोड, एनाकुलम, कोचीन-11 (केरल) जिसके प्रत्यागत (1) सौ० टी० बी० प्र० बिल्डिंग्स कोलोकोड-1 और (2) धर्मलयम् रोड, त्रिवेन्द्रम-1 स्थित उसकी शाखाएँ भी आती हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मार्च के प्रथम दिन को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(136)/74-पी० एफ० 2]

S.O. 2984.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Joly Films (Private) Limited, M. G. Road, Ernakulam, Cochin-11 (Kerala) including its branches at (1) C.T.B.O. Building, Kozhikode-1 and (2) Dharmalayam Road, Trivandrum-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

The notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S. 35019(136)/74-PF. II]

का० आ० 2985.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अम्बलपिक्स 'बी' एस्टेट, मुण्डकायम् ग्राम, कंजिरापल्ली तालुक, जेस्डे, डक्कर पुंजर, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के नवम्बर, के प्रथम दिन को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(225)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2985.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ambalathinkal 'B' Estate, Mandakayam Village, Kanjirappally Taluk Chonnade Post Office Poonjar Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1975.

[No. S. 35019 (225)/75-PF-II]

का० आ० 2986.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि चैलाराम मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, 102 ए० एम० लेन, चिक्केट क्रॉस, बंगलौर-53, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 की फरवरी के उन्नीसवें दिन को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(57)/76-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 2986.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Chailaram Mills Private Limited, 102, A. M. Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-ninth day of February, 1976.

[No. S. 35019(57)/76-PF. II(i)]

का० आ० 2987.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि दि पालिपारामब्बा कोपारेटिव प्रोडक्शन एण्ड सेल सोसाइटी लिमिटेड, डाकबर, तालिपारामब्बा, कप्पामोर जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना जनवरी, 1976 के प्रथम विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(20)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2987.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Taliparamaba Weavers' Co-operative Production and Sale Society Limited, Post Office, Taliparamaba, Cannanore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019/20/76-PF. II]

का०आ० 2988.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मे केमिकल इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 105, मगाडी मैन रोड, अग्रहारा, जिममे देव आशिष मोब आर रोड, मुम्बई-25 स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है। नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करते जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना जुलाई, 1975 के प्रथम विन को प्रदत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(26)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2988.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs May Chemical Industries (Private) Limited, 105, Magadi Main Road, Agrahara, Dasarahalli, Bangalore-40 including its branch at Dev Ashish Poddar Road, Bombay-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35019/26/76-PF. II]

का०आ० 2989.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मिस्ट्रीज बीड़ी बक्से प्राइवेट लिमिटेड, 109 मखारबाड़ी, मिपानी जिला बेलगांम जिसके अन्तर्गत (1) निपानी (मुख्य कार्यालय), (2) निपानी (शाखा), (3) कोलहापुर (4) मिगज (5) बेलगांम (6) बुधिल, (7) रामदुर्ग, (8) धारवान, (9) हुबली (शाखा 1), (10) हुभली (शाखा 2), (11) कोप्पल, (12) राने बैनूर और

(13) बेलारी भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019/(185)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2989.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pistol Bidi Works Private Limited, 109, Sakharwadi, Nipani, Belgaum District, including its branches at (1) Bipani (Head Office), (2) Nipani (Branch), (3) Kolhapur, (4) Miraj, (5) Belgaum, (6) Budihal (7) Ramdung, (8) Dharwan, (9) Hubli (Branch 1), (10) Hubli (Branch 2), (11) Koppal, (12) Ranobennur and (13) Bellary have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S-35019(185)/75-PF. II]

का० आ० 2990.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रकृत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात्, 1 दिसम्बर, 1975 से मैसर्स रुलिफिल (प्राइवेट) लिमिटेड, नं० 11, बोर बैंक रोड, बैंगलौर-40 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिरिट करती है।

[सं० एम० 35019(223)/75-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 2990.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of December, 1975 the establishment known as Messrs. Rulifil (Private) Limited, No. 11, Bore Bank Road, Bangalore-40 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/223/75-PF. II (ii)]

का० आ० 2991.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रुलिफिल (प्राइवेट) लिमिटेड नं० 11, बोर बैंक रोड, बैंगलौर-4, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(223)/75-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 2991.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rulirofile (Private) Limited, No. 11, Bore Bank Road, Bangalore-40 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (10 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1975.

[No. S. 35019/223/75-PF. II(i)]

का० आ० 2992 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हरिहर ट्रांसपोर्ट कम्पनी, इण्डस्ट्री लाउड, 45, रेस कोर्स, रोड, बंगलौर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुट्टम्ब पेणन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 जलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(148)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2992.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Harihar Transport Company, Industry House, 45 Race Course Road, Bangalore-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35019/148/75-PF. II]

का० आ० 2993 —केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुट्टम्ब पेणन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् 1 नवम्बर, 1975 से मैसर्स मार्केटिंग कन्सल्टेन्ट्स ऐण्ड एजेन्सीज लिमिटेड, 36, कनिकम रोड, बंगलौर-52 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं० एम०-35019(15)/76-पी० एफ० II (ii)]

S.O. 2993.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of November, 1975, the establishment known as Messrs Marketing Consultants and Agencies Limited, 36, Cunningham Road, Bangalore-52, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/15/76-PF. II(ii)]

का० आ० 2994.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मार्केटिंग कन्सल्टेन्ट्स और ऐण्डेन्सीज लिमिटेड, 36, कनिकम रोड, बंगलौर

52, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुट्टम्बपेणन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 नवम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(15)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2994.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Marketing Consultants and Agencies Limited, 36, Cunningham Road, Bangalore-52, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1975.

[No. S. 35019/15/76-PF. II]

का० आ० 2995.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुट्टम्ब पेणन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् 1 नवम्बर, 1971 से मैसर्स कपुरथला प्राइमरी को-ऑपरेटिव लैण्ड भारोज लै.लि., कपुरथला जिसके अन्तर्गत (1) सुलानपुर, और (2) भोलाठ स्थित उसकी शाखाएँ भी आती हैं, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[संख्या एस०-35019(16)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2995.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of November, 1971, the establishment known as Messrs Kapurthala Primary Co-operative Land Mortgage Bank Ltd., Kapurthala including its branches at (1) Sultanpur and (2) Bholath, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(16)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 2996.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य कुट्टम्ब पेणन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् 1 नवम्बर, 1971 से मैसर्स गोराया को-ऑपरेटिव-मार्केटिंग-कम-प्रासेसिंग सोसाइटी, लिमिटेड, गोराया (जालंधर) जिसमें इसकी (1) कुन्वाला और (2) समराई स्थित शाखाएँ स्थित हैं, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[संख्या एस० 35019(1)/75-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 2996.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specified with effect from the 1st day of May, 1974 the establishment known as Messrs. Goraya Co-operative Marketing cum processing society Ltd. Goraya (Jullundur) including its branches at (1) Bundlia and (2) Samrai for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019 (1)/75-PF. II]

का० आ० 2997.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गोराया कोऑपरेटिव मार्केटिंग-कम-प्रोसेसिंग सोसाइटी लिमिटेड गोराया (जालंधर) जिसमें इसकी (1) बुन्दाल और (2) समराई स्थित शावाएं समिलित हैं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रधिसूचना 1 मई, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(1)/75-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 2997.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Goraya Co-operative Marketing cum processing Society Limited, Goraya (Jullundur) including its branches at (1) Bundala and (2) Samrai have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1974.

[No. S. 35019(1)/75-PF. II(i)]

का० आ० 2998.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटम्ब पेंशन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1975 से मैसर्स इण्डो आस्ट्रो कारपोरेशन लिमिटेड, अनंगपुर रोड, डाकघर गश्कुल इन्डप्रेस्ट, फरीदाबाद इसमें हेराल्ड हाउस, दूसरी मंजिल 5-ए बहादुरशाह जफर मार्ग नई दिल्ली-1 स्थित इसका रजिस्ट्रीकूट कार्यालय भी है नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है ।

[सं० एस-35019(178)/75-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 2998.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975, the establishment known as Messrs Indo Austro Corporation Limited, Aurangpur Road, Post Office Gurukul Inderprastha, Faridabad, including its Registered Office at Herald House, 2nd Floor, 5-A, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(178)/75-PF. II(ii)]

का० आ० 2999.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इण्डो आस्ट्रो कारपोरेशन लिमिटेड अनंगपुर रोड डाकघर गश्कुल इन्डप्रेस्ट, फरीदाबाद इसमें हेराल्ड हाउस दूसरी मंजिल 5-ए बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-1 स्थित इसका रजिस्ट्रीकूट कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(178)/75-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 2999.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indo Austro Corporation Limited, Anangpur Road, Post Office Gurukul Inderprastha, Faridabad including its Registered Office at Herald House, 2nd Floor, 5-A, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019(178)/75-PF. II(i)]

का० आ० 3000.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटम्ब पेंशन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1974 से मैसर्स इण्डो इण्डस्ट्रीज, पोस्ट बाक्स सं० 288, रस्तम मिल कम्पाउण्ड, दूषेश्वर रोड, अहमदाबाद नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है ।

[सं० एस-35019(52)/76-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 3000.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of January, 1974 the establishment known as Messrs Dinesh Rubber Industries, Post Box No. 288, Rustom Mill, Compound, Dudheswar Road, Ahmedabad, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(52)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3001.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इण्डो इण्डस्ट्रीज, पोस्ट बाक्स मं० 288, रस्तम मिल कम्पाउण्ड, दूषेश्वर रोड, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रधिसूचना 1 जनवरी, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(52)/76-पी० एफ० 2(i)]

S.O.3001.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Dinesh Rubber Industries, Post Box No. 288, Rustom Mill Compound Dudheswar Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family

Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1974.

[No. S. 35019(52)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3002.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम के इण्डस्ट्रियल कॉर्पोरेशन, बी० 252, नारायणा इण्डस्ट्रियल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली-28, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटन्य पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1973 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रदूष द्वारा समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(222)/75-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 3002.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Emkay Industrial Corporation, B-252, Naraina Industrial Area, Phase I, New Delhi-28, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1973.

[No. S. 35019 (222)/75-PF. II(i)]

का० आ० 3003.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दीयान लाइम कम्पनी 1 देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली जिसमें (1) मेहर (खान) (2) जुकेह और (3) सतना स्थित इसकी शाखाएँ सी हैं ; नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटन्य पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 नवम्बर, 1971 को प्रदूष द्वारा समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(56)/76-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 3003.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Diwan Lime Company, 1-Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi including its branches at (1) Maihar (Mines), (2) Jukeh and (3) Satna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

59 GI/76-6

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1971.

[No. S. 35019/56/76-PF. II(i)]

का० आ० 3004.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्टूरिस्ट कॉर्पोरेशन, 739, ओल्ड लाजपतराय मार्केट, लालकिला के सामने, दिल्ली-6, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटन्य पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 जनवरी, 1972 को प्रदूष द्वारा समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(229)/75-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 3004.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Intourist Corporation, 739, Old Lajpat Rai Market, Opposite Red Fort, Delhi-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1972.

[No. S. 35019/229/75-PF. II(i)]

का० आ० 3005.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटन्य पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संघर्ष विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात्, 1 जनवरी, 1972 से मैसर्स इन्टूरिस्ट कॉर्पोरेशन, 739, ओल्ड लाजपतराय मार्केट, लाल किला के सामने, दिल्ली-6 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनियिष्ट करती है।

[सं० एस-35019(229)/75-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 3005.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1972, the establishment known as Messis. Intourist Corporation, 739, Old Lajpat Rai Market, Opposite Red Fort, Delhi-6, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/229/75-PF. II(ii)]

का० आ० 3006.—कर्मचारी भविष्य निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् मैसर्स होल्ड यूटिलिटीज प्राइवेट लिमिटेड 512, सूर्य किरण निल्डिंग, कस्टरमार्ग गांधी मार्ग, नई दिल्ली, नामक स्थापन को 1 मार्च, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनियिष्ट करती है।

[सं० एस-35019(130)/74-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 3006.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1973, the establishment known as Messrs Household Utilities Private Limited, 512-Surya Kiran Building, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/130/74-PF. II(ii)]

का०आ० 3007.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हाउस होल्ड, यूटिलिटीज प्राइवेट, लिमिटेड, 512, सूर्य किरण बिल्डिंग, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है;

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(130)/74-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 3007.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. House hold Utilities Private Limited, 512-Surya Kiran Building, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1973.

[No. S. 35019/130/74-PF. II(i)]

का०आ० 3008.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की घारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 अप्रैल, 1969 से मैसर्स दीवान लाइम कम्पनी, 1 देणार्कन्थु गुप्ता रोड, नई दिल्ली जिसमें (1) मेहर छात (2) जुकेह और (3) सतना स्थित इसकी शाखाएँ भी हैं नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(47)/76-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 3008.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1969, the establishment known as Messrs. Liaison office of NISSHO-IWAI Company Limited, Allahabad Bank Building, 17 parliament Street, New Delhi for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/47/76-PF. II(ii)]

का०आ० 3009.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स किनेटिक्स टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड, इलाहाबाद बैंक बिल्डिंग, 17, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है

कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना भ्रैंस, 1969 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(47)/76-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 3009.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs. Liaison Office of NISSHO-IWAI Company Limited, Allahabad Bank Building, 17, Parliament Street, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1969.

[No. S. 35019/47/76-PF. II(i)]

का०आ० 3010.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की घारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 नवम्बर, 1971 से मैसर्स दीवान लाइम कम्पनी, 1 देणार्कन्थु गुप्ता रोड, नई दिल्ली जिसमें (1) मेहर छात (2) जुकेह और (3) सतना स्थित इसकी शाखाएँ भी हैं नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(56)/76-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 3010.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of November, 1971 the establishment known as Messrs Diwan Lime Company, 1-Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi including its branches at (1) Mihar (Mines), (2) Jukeh and (3) Satna, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/56/76-PF. II(ii)]

का०आ० 3011.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम 1952 (1952 का 19) की घारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 सितम्बर, 1974 से मैसर्स किनेटिक्स टेक्नोलॉजी इंडिया 3-रिंग रोड, लाजपत नगर, नई दिल्ली-24 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(180)/75-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 3011.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of September, 1974 the establishment known as Messrs Kinetics Technology India Limited, 3-Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi-24, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/180/75-PF. II(ii)]

का०आ० 3012.- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स किनेटिक्स ईनालोनी इंडिया लिमिटेड, 3-रिंग रोड, लाजपत नगर, नई दिल्ली-24, नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की व्यु-संघवा इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, भ्रव, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपभारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(180)/75-पी०एफ० 2(j)
एस० एस० सहजनामन, अवर सचिव]

S.O. 3012.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kinetics Technology India Limited, 3-Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi-24, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1972.

[No. S. 35019(180)/75-PF. II(j)]
S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 19 मई, 1976

का०आ० 3013.- केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबन्ध अनुसूची में विनिरिट विधयों के बारे में हैवी बाटर प्रोजेक्ट, डाकपर अणुगणित वाया कोटा के प्रबन्धतात्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक आधोगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना चाहीय समझती है।

अतः, भ्रव, आधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 7क और घारा 10 की उपभारा (1) के खड़ (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक आधोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री उपरेश नारायण मायुर होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त आधोगिक अधिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

(1) क्या हैवी बाटर प्रोजेक्ट के कर्मकारों की ईनिक मजबूरी वाले कर्मकारों की मजबूरी में वृद्धि की भाग न्यायोचित है? यदि हाँ, तो कर्मकार किस अनुतोष के दृष्टान्त हैं और किस तारीख से?

(2) क्या हैवी बाटर प्रोजेक्ट के प्रबन्धतात्र की मोटर बात चालकों को अलि काल भत्ते का भुगतान करने में थो प्रकार की प्रक्रिया को अपनाने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो ऐसे नियमित चालक जिन्हें समयोपरि भत्ता स्टाफ कार विधयों के अनुसार दिया जा रहा है, किस अनुतोष के दृष्टान्त है?

[सं० एल०-42012/38/74-एल०प्रार० III/डी०-II-भी०]
हरबंस बहादुर, अनुमाम अधिकारी (विशेष)

New, Delhi, the 19th May, 1976

ORDER

S.O. 3013.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Heavy Water Project, P.O. Anushakti, via-Kota and their workmen in respect of the matters, specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Updesh Narain Mathur shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

- (1) Whether the demand of the workmen of Heavy Water Project for enhancement of wages of daily rated workmen is justified? If so, to what relief the workmen are entitled and from what date?
- (2) Whether the action of the management of Heavy Water Project in adopting two sets of procedures for payment of overtime to the Motor Vehicle Drivers is justified? If not, to what relief the regular drivers who are being paid overtime as per the Staff Car Rules, are entitled?

[No. L-42012/38/74-LR. III/DIIB]
HARBANS BAHDUR, Section Officer (Spl.).

आवेदन

नई दिल्ली, 3 जून, 1976

का०आ० 3014.- केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबन्ध अनुसूची में विनिरिट विधयों के बारे में तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, पूर्वी छेत्र, नाजीरा (असम) के प्रबन्धतात्र की घट (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की घारा 7-क के अधीन गठित आधोगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना चाहीय समझती है।

अतः, भ्रव, आधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उपभारा (1) के खड़ (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की घारा 7-क के अधीन गठित आधोगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, पूर्वी छेत्र, नाजीरा (असम) के प्रबन्धतात्र की, सर्वांगी वेदान्त बस्ता, मोटर ट्रक ड्राइवर और मुदारक अली, छलासी को आदेश संस्था बी०आ०डी०/4/71-विज०/789 तारीख 13-3-1974 के द्वारा 13-11-1974 से सेवा से हटाने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[सं० एल०-30012/5/75-भी० IV (भी०)]
भूपेन्द्रनाथ, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 3rd June, 1976

S.O. 3014.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Oil and Natural Gas Commission, Eastern Region, Nazira (Assam) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Oil and Natural Gas Commission, Eastern Region, Nazira (Assam) in removing from service Sarvashri Deburam Barua, Motor Truck Driver and Mubarak Ali, Khalasi with effect from 13-3-1974 vide Order No. VID/4/71-Vig/789, dated 13-3-1974, is justified ? If not to what relief are the said workmen entitled ?

[No. L-30012/5/75-D. IV(B)]
BHUPENDRA NATH, Section Officer (Spl.).

आवेदन

नई विल्ली, 10 मई, 1976

का०आ० 3015.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद मनुष्यों में विनिदिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स टाटा आयरन और स्टील कम्पनी की विगताइह कोयला खान, डाकघर जामाबोबा, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयम के लिये निर्देशित करना बांधनीय समझती है ।

प्रतः प्रब, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प्र) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण एवं अम न्यायालय (संख्या 2), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

ममृत्सूक्ष्म

(1) क्या मैसर्स टाटा आयरन और स्टील कम्पनी लिमिटेड की विगताइह कोयला खान, डाकघर जामाबोबा, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र की श्री सीताराम बाराय को, कम्पनी के क्वार्टर को गठित अनश्विकृत अधिभोग में रखने के कारण 8-12-1975 से 10 दिन के लिये तिलम्बनाधीन रखने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस मनुतोष का हकदार है ?

(2) क्या मैसर्स टाटा आयरन और स्टील कम्पनी लिमिटेड की विगताइह कोयला खान, डाकघर जामाबोबा, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र की श्री सीताराम बाराय, अनिक को 18 दिसम्बर, 1975 से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस मनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल०-20012/46/76-डी०-3(ए०)]

ORDER

New Delhi, the 10th May, 1976

S.O. 3015.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Digwadih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company, Post Office Jamadoba, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court (No.2), Dhanbad constituted under Section 7A of the said Act.

SCHEDULE

- (1) Whether the action of the management of Digwadih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad in placing Shri Sitaram Barai under suspension for ten days with effect from 8-12-1975 on account of alleged unauthorised occupation of company's quarter is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?
- (2) Whether the action of the management of Digwadih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, in dismissing Shri Sitaram Barai, Miner with effect from 18th December, 1975 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

[No. L-20012/46/76-D-II(A)]

आवेदन

नई विल्ली, 5 मई, 1976

का० आ० 3016.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद मनुष्यों में विनिदिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की इस्ट भुगताइह कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करना बांधनीय समझती है ।

प्रतः प्रब, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प्र) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण एवं अम न्यायालय संख्या 3, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

ममृत्सूक्ष्म

क्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की भुगताइह कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र की संवैश्वी माणिक घन्द पाशी और दिलजान भर, खनिकों को खराब रखात्य के आशार पर हजका कार्य न देने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस मनुतोष के हकदार है ?

[सं० एल०-20012 (32)/76-डी०-3(ए)]

ORDER

New Delhi, the 15th May, 1976

S.O. 3016.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East Bhuggatih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 3 Dhanbad constituted under Section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of East Bhuggat-dih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited Post Office Jharla, District Dhanbad in refusing to provide light job to S/Shri Manik Chandra Pashi and Diljan Bhar, Miners on the ground of ill health is justified ? If not, to what relief are the workmen entitled ?

[No. L-20012/32/76/DIII(A)]

आदेश

नं० विल्नी, 25 मई, 1976

का० आ० 3017.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपराज्य प्रमुखी में विनियोग विधियों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल सिमिटेड की खड़खड़ी कोलियरी, डाकघर महेशपुर, जिला झनवाद के प्रबन्धताल से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीष्मिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को व्यापनियन के लिए निर्देशित करता बांधुनीय समझती है ;

प्रतः प्रम्, ग्रीष्मिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की आरा 10 को उप-धारा (1) के अन्त (घ) द्वारा प्रदत्त विधियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त प्रधिनियम की आरा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रीष्मिक अधिकरण एवं ग्रीष्म महानगर संघया 2, घनवाद को व्यापनियन के लिए निर्देशित करती है।

प्रमुखी

क्या श्री शालिग्राम मिश्र द्वारा किए गए कर्तव्यों की प्रहृति को ध्यान में रखते हुए मैसर्स भारत कोकिंग कोल सिमिटेड की खड़खड़ी कोलियरी, डाकघर महेशपुर जिला झनवाद के प्रबन्धताल की, कोप्यासा छनन उद्योग सम्बन्धी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारियों के अनुसार कर्मकार को श्रेणी-2 (लिपिकीय) में न रखने की कार्रवाई च्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुसूया का और किस तारीख से हम्मार है ?

[सं० एल-20012 (273)/75-डी-३ (ए)]

आर० पी० नद्दला, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 25th May, 1976

S.O. 3017.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited Post Office Maheshpur Distt. Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 2, Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether, keeping in view the nature of duties performed by Shri Shaligram Mishra, the action of the management of Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. Post Office Maheshpur District Dhanbad in not placing the workman in Grade II (Clerical) as per recommendations of

the Central Wage Board for Coal Mining Industry is justified ? If not to what relief is the workman entitled and from what date ?

[No. L-20012/273/75-D. III(A)]
R. P. NARULA, Under Secy.

New Delhi, the 31st July, 1976

S.O. 3018.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following Award of the Central Government Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 21-7-1976.

INDUSTRIAL TRIBUNAL BHUBANESWAR

Industrial Dispute case No. 3 of 1975 (Central)

Bhubaneswar, the 6th July, 1976

BETWEEN

The employers in relation to
the Punjab National Bank,

--First-party

Their Workmen

APPARANCES :

--Second-party

Shri C. P. Panigrahi,
Assistant Personnel Officer,
Punjab National Bank.—For the first-party
Shri A. D. Singh,
Secretary,
National Organisation of Bank Workers.

—For the second-party
Sri A. Agrawal,
General Secretary,
Punjab National Bank Workers' Organisation.

AWARD

In exercise of the powers conferred by section 7-A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government had referred the following dispute to my predecessor-in-office for adjudication, vide Government Order No. L. 12011/3/75-DII/A dated 31-5-75 :—

(1) whether the management of the Punjab National Bank, Calcutta is justified in not regularising the services of Sarvashri Gunnidhi Nayak and M. K. Sahu of Cuttack Branch, Shri C. M. Sharma of Rourkela Branch and Shri Krishna Bahadur of Sambalpur Branch as permanent employee ? If not, to what relief, the workmen are entitled ?

(2) Whether the management of Punjab National Bank are justified in not filling up the post of two Special Assistants in their branches at Cuttack and Bhubaneswar from amongst their employees posted in the State of Orissa ? If not, to what relief the concerned employees are entitled ?

2. Subsequently in exercise of the powers conferred by section 7-A, and sub-section (1) of section 33-B of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government withdrew the proceedings in relation to the above dispute from my file of my predecessor-in-office and transferred the same to my file for disposal with the direction that the proceedings shall proceed from the stage at which it was transferred, vide Government Order No. L-26011/1/74-L.R. IV/D-IV(B) dated 17-9-75.

3. The dispute is between the employers in relation to the Punjab National Bank (hereinafter referred to as the first-party) and their workmen (hereinafter referred to as the second-party).

4. In its written-statement the first-party has stated that the specification for recruitment of subordinate staff for permanent as well as temporary appointments are laid down in Management Development Department Circular No. 2 dated

20-4-72 (Annexure-1). As per the policy of Government the candidates belonging to the Scheduled Caste, ex-Service personnel, etc., are given preference and the roster prescribed in this regard is followed while filling in vacancies in the subordinate cadre on regular basis. The temporary employees are absorbed on permanent basis keeping in view the length of service put in by them, reservations made for backward classes, ex-Servicemen, etc., and the other conditions prescribed in this regard. Sarvasri Gunanidhi Nayak, M. K. Sahu of Cuttack Branch, C. M. Sharma of Rourkela Branch and Krishna Bahadur of Sambalpur Branch, the four workmen concerned in the present dispute have been working on temporary basis from time to time. It has been held time and again that a temporary employee is to continue as a temporary hand even after he has put in service for a period exceeding three months and in this regard reference is made to the award of the Industrial Tribunal dated 20-12-74 (Annexure-2). The cases of the aforesaid four workmen shall be considered by the first-party for permanent absorption keeping in view the availability of vacancies, the rules of the Bank, the reservations made for backward classes clearing backlog of these categories. As regards item 2 of the dispute it is stated that the promotion of Clerks as Special Assistants is governed by the Settlement dated 16-6-73 (No. 2/73)—(Annexure-3) arrived at between the Bank and the All India Punjab National Bank Employees' Federation (majority Union in the Bank). It deals with the procedure regarding promotion of Clerks as Special Assistants. It is provided in the Settlement that if any doubt or difficulty arises regarding interpretation of any of the provisions of the Settlement, the matter shall be taken up only at the level of Head Office, Personnel Division, Punjab National Bank and All India Punjab National Bank Employees' Federation for discussion and settlement. Since the present matter relates to interpretation of the above settlement, no valid dispute can be raised by any Union in this regard. It is further stated that the Pay Office at Bhubaneswar started functioning on 21-2-70 and was upgraded as a Branch with effect from 27-7-73. As a result of this upgradation the post of Office-in-charge was converted into that of a Manager and Sri K. N. Prithviraj was appointed as the Manager on 9-12-74. It was also considered expedient to post a second-man in the Branch in the cadre of Accountant instead of Special Assistant and as such Sri B. N. Singh was appointed as Accountant at Bhubaneswar on 4-12-74. The filling in of the vacancy of the supervisory post at Bhubaneswar by an Accountant instead of a Special Assistant is strictly in order and no exception can be taken by the Union in this regard. The post of Special Assistant which arose at the Cuttack Branch Office was filled in by transferring the Special Assistant who had become surplus at the Bhubaneswar Office. Finally, it is stated that the action of the first-party in not regularising the services of workmen Sarvasri Gunanidhi Nayak, M. K. Sahu, C. M. Sharma and Krishna Bahadur as permanent employees and the action of the first-party in the matter of filling up of the supervisory posts at Cuttack and Bhubaneswar are justified and the workmen are not entitled to any relief.

5. In their written-statement the second-party workmen have stated that the first-party and its employees entered into a settlement on 19-10-66. As per para 20.8 of this settlement a person continuously working in the Bank for a period of 90 days against a permanent vacancy is to be confirmed after the expiry of 90 days. Workmen Sarvasri Gunanidhi Nayak, M. K. Sahu, C. M. Sharma and Krishna Bahadur have already put in more than 240 days of continuous service in the Bank. In depriving the aforesaid workmen permanency of service and consequential benefits, the first-party is guilty of unfair labour practice. It is prayed that the aforesaid workmen should be confirmed as permanent employees and their services should be regularised with all benefits accruing to them as permanent employees with retrospective effect from the date of confirmation after the expiry of 90 days of continuous service. As regards item 2 of the reference, it is stated that the posts of Special Assistants are promotional posts carrying a special allowance of Rs. 91/- per month. This special allowance is linked to the basic pay and thus enables a Special Assistant to enjoy the consequential benefits, e.g., D.A., provident-fund, etc. In Orissa two posts each of Special Assistants are sanctioned for the Cuttack and Rourkela Branches and one post each has been sanctioned for the Sambalpur and Bhubaneswar Branches. The first-party expanded its business in opening Branches at other places in Orissa in 1974 where atleast one Special Assistant for each of the Branches is necessary. The work-load and volume of business at Bhubaneswar and Cuttack have considerably increased during these years. Two Special Assistants at

Cuttack and one at Bhubaneswar were previously appointed to cope with the volume of work when the staff-strength was more. The post of Special Assistant is filled up from amongst the senior-most staff working in the Branches. Depriving the senior staff from working as Special Assistants at Cuttack and Bhubaneswar amounts to unfair labour practice. Sarvasri P. K. Chakrabarty, N. C. Chakrabarty and B. N. Agarwala who are senior staff and were officiating as Special Assistants by virtue of their seniority have sustained losses of Rs. 4,426/-, Rs. 1,367/- and Rs. 700 respectively when the Bank relieved them from the posts of Special Assistants. The action of the first-party is mala fide as it has violated the terms of the settlement and deprived the workmen of their legitimate demands. The workmen have accordingly prayed that award in favour of the workmen should be passed so as to enable them to enjoy permanency in tenure with retrospective effect with regard to item 1 of the dispute and the posts of Special Assistants should be restored to the senior staff with retrospective effect as regards item 2 of the dispute.

6. In their rejoinder the workmen have further stated that M. D. Circular No. 2 dated 20-4-72 has no bearing with regard to permanent absorption of the existing temporary employees. The temporary employees are governed by para 493 of the Sastry Award read with para 2012 of the first Bipartite Settlement dated 19-10-66. These provisions cannot be superseded by the first-party by any other circular without notice to the workmen or their Union. There are no directions from the Government to supersede the Bank Award and/or settlements in force in order to give preference to the backward communities. In this connection reference is made to Circular Letter No. 655/GM/STF dated 23-12-74 (Annexure-A), the first-party has not prepared a list of ex-employees in the State although the same has been done in other regions. Workmen Sarvasri Gunanidhi Nayak, M. K. Sahu, C. M. Sharma are working temporarily and their services are still being utilised in the exigencies of service. This cannot mean that these workmen will continue to work on a temporary basis and the first-party would have the liberty to employ new hands to the prejudice of the aforesaid workmen. In case an employee has been recruited temporarily against a permanent vacancy and if the management does not fill up that vacancy after 9 days, the employee attains the status of a probationer and is entitled for permanent absorption as per the provisions of para 20.8 of the first Bipartite Settlement dated 19-10-66. Working Sarvasri G. Nayak, M. K. Sahu C. H. Sharma and K. Bahadur have been working since 19-1-72 and during this period there have been several permanent vacancies, but the aforesaid workmen have not been absorbed in the permanent vacancies. Temporary and junior employees from outside the State of Orissa are being appointed against the permanent vacancies to the prejudice of the aforesaid workmen. As regards item 2 of the reference, it is stated that the workmen are governed by the Bank's promotion policy Circular No. 561 dated 25-2-64. It is not admitted that the All India Punjab National Bank Employee's Federation is a majority Union and in any case any agreement with that Union is not binding on the workmen concerned in this case. In the present reference interpretation of Settlement No. 2/73 is not necessary. The reduction of the posts of Special Assistant at Bhubaneswar and Cuttack is unfair and mala fide. On account of reduction in the Posts of Special Assistants, workmen Sarvasri P. K. Chakrabarty, N. C. Chakrabarty, B. N. Agarwal and A. K. Sen have been deprived of the allowances due to them. The action of the first-party is in violation of sec. 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 read with the Fourth Schedule. The details of the services of Workmen Sarvasri G. Nayak, M. K. Sahu, C. M. Sharma and K. Bahadur have been filed by the second-party in the form of an addenda.

7. In its rejoinder the first-party has denied that it has superseded any awards and settlements by subsequent circulars. It is pointed out that Desai Tribunal has rejected the probationary right of temporary employees at para 23.19, page 296, of the award. The allegations made by the workmen in their written-statement and rejoinder are also denied.

8. One witness has been examined on behalf of the first-party and three witnesses have been examined on behalf of the second-party. Both parties also rely on documentary evidence.

9. M. W. 1 is an Assistant Personnel Officer of the first-party. He is acquainted with the fact of this case. He has stated that G. Nayak joined service under the first-party at the Cuttack Branch on 14-5-70 as a Peon on a purely tem-

porary basis. Ext. 1 is the letter of appointment dated 14-5-70 in respect of Nayak. Although Ext. 1 states that the appointment of Nayak was for six days, he has been continuing in service on extension basis from time to time till 10-7-72. Ext. 2 is the appointment letter dated 11-6-72. Since 10-7-72 Nayak is continuing to work as a temporary Peon in the Cuttack Branch without formal letter of extension having been issued by the first-party to him. M. K. Sahu joined service under the first-party at the Cuttack Branch on 10-4-70 as a Peon on a temporary basis. Sahu has been continuing in service on extension basis from time to time. Ext. 3 is the last extension order in respect of Sahu extending his service till 31-7-72. Since 31-7-72 Sahu has been continuing in service as a temporary Peon without formal extension order having been issued by the first-party to him. C. M. Sharma joined service under the first-party at the Rourkela Branch on 27-5-72 as a Peon purely on a temporary basis. Ext. 4 is the appointment letter dated 27-5-72. Sharma continued in service as a temporary Peon on extension basis from time to time till 17-6-75. Sharma's services have been automatically terminated from 17-6-75 as per the terms of his appointment. Ext. 5 is the order dated 17-6-75 giving intimation to Sharma that his services were no longer required. Krishna Bahadur had joined as a Peon at the Sambalpur Branch in 1972. Initially Bahadur's appointment was purely on a temporary basis. On 12-12-75 Bahadur was absorbed as a Peon-cum-Guard at the Pay Office at Maneswar, Sambalpur in a sanctioned vacancy. M. W. 1 has added that as there have been no sanctioned vacancies at Cuttack and Rourkela Branches, it has not been possible for the first-party to give permanent employment to Nayak, Sahu and Sharma. According to M. W. 1, Nayak, Sahu and Sharma were being appointed from time to time to carry on the work of permanent Peons during the absence of the latter. These Peons do not belong to Scheduled Caste or Scheduled Tribe. Bahadur belongs to Scheduled Tribe and he also knows how to use fire-arms and that is why he was absorbed as soon as a vacancy arose. Since February 1976 a vacancy has arisen at the Cuttack Branch and subject to reservations in favour of Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates, the cases of Nayak and Sahu would be considered. M. W. 1 has further stated that on 21-2-70 the first-party started business at Bhubaneswar as a Pay Office with one Officer-in-charge and one Special Assistant in the supervisory cadre. On 27-7-73 the Pay Office at Bhubaneswar was upgraded to a Branch Office. As a result the first-party decided that instead of an Officer-in-charge, a Branch Manager should be posted and instead of a Special Assistant, an Accountant should be posted at Bhubaneswar as a second-man for the smooth running of the office. At the Cuttack Branch from the beginning, one Manager, one Accountant and two Special Assistants were functioning. One Sri Khanna was one of the two Special Assistants at Cuttack and he became Sub-Accountant on 18-9-72 and then Accountant with effect from 1-7-73 Sri Khanna is still working as the second Accountant at the Cuttack Branch. When the Bhubaneswar Pay Office was upgraded to a Branch office, the post of the Special Assistant became surplus at Bhubaneswar consequent upon the posting of an Accountant. Accordingly, the person who was working as the Special Assistant at Bhubaneswar was transferred to the Cuttack Branch against the sanctioned vacancy of one Special Assistant. There were two sanctioned posts of Special Assistants at Cuttack Branch, but one was abolished when Sri Khanna became the Sub-Accountant. The volume of work does not justify posting of a Special Assistant at the Bhubaneswar Branch or of a second Special Assistant at the Cuttack Branch. In his cross-examination M. W. 1 has stated that Nayak and Sahu have been in continuous service under the first-party from 1972. Without verification of records it was not possible for M. W. 1 to say if on 14-5-70 when Nayak joined service and on 10-4-70 when Sahu joined service, one post of Peon was lying vacant after the resignation of a permanent employee, Peon K. N. Behera. M. W. 1 has admitted that in 1973 one R. N. Padhi working as a Peon in the Cuttack Branch was promoted to the post of Assistant Cashier and transferred to the Sambalpur Branch and as such a vacancy arose in place of Padhi. This vacancy has not yet been filled up. After the resignation of Peon K. N. Behera, the first-party decided not to fill up the post unless the work-load was fully assessed and as such that post has not yet been filled up. Nayak and Sahu have been working continuously since 1972, but they cannot be made permanent unless the work-load of the Cuttack Branch is assessed. Since the date of his appointment till the date of termination of his services, Sharma worked continuously at the Rourkela Branch. On the date on which the services of Sharma had been terminated as per Ext. 5, the present reference

was pending before this Tribunal. M. W. 1 has admitted that the Pay Office at Bhubaneswar was upgraded to a Branch Office as the volume of business and workload at Bhubaneswar increased. As an Accountant has been posted at Bhubaneswar instead of a Special Assistant, the working strength has not been reduced. As a Special Assistant is not an officer and cannot be put as the second man in charge, instead of a Special Assistant the first-party decided to post an Accountant as Bhubaneswar is the capital of Orissa. Ext. A is the letter dated 18-12-74 from the Head Office to the Bhubaneswar Office intimating that with the posting of an Accountant there was no vacancy of Special Assistant at Bhubaneswar. The post of Special Assistant at Bhubaneswar continued for some time after upgradation till the Accountant joined the Branch and this took about one-and-a-half years. According to M. W. 1, as and when there is necessity for allowing someone to officiate as Special Assistant, the senior most Clerk is usually allowed to officiate and he is paid Rs. 91/- per month as special allowance along with usual D.A. M. W. 1 did not agree that by not filling up the posts of Special Assistants at Bhubaneswar and Cuttack, the first-party has deprived the seniormost Clerks at Bhubaneswar and Cuttack from securing their legitimate promotions. M. W. 1 did not also agree that as a result of non-filling up the posts of Special Assistants, the first-party has withdrawn the special allowance from the employees.

10. W. W. 1 is workman G. Nayak. He has stated that he joined service under the first-party on 14-5-70 and Ext. 1 is his appointment letter. Since that date W. W. 1 has been in continuous service under the first-party till date. When he joined the Cuttack Branch office, the vacancy consequent upon the resignation of the permanent Peon K. N. Behera was existing and that vacancy is existing even today. Behera had resigned in 1969. Although W. W. 1 has put in service for nearly six years, he is not entitled to privilege-leave as yet as he has not been absorbed as a permanent Peon. He is also not receiving annual increments, leave-fare concession and sick-leave benefits for the same reason. Although Behera's post has not been filled up, W. W. 1 is discharging all his duties and his present duties and work are the same as a permanent Peon. In his cross-examination W. W. 1 has admitted Ext. 6 to be his application dated 29-12-72 requesting the first-party to offer him a post amongst the subordinate staff which had fallen vacant. During his service under the first-party he had at times been deputed to work as the Godown Choukidar during the absence of the permanent incumbent. He worked as the Godown Choukidar for approximately four years.

W. W. 2 is workman M. K. Sahu. He has stated that he joined service under the first-party on 10-4-70 as a Peon of the Cuttack Branch Office. He worked for three months and then his service came to an end. He rejoined service as a Peon at the Cuttack Branch Office in 1971 and since then he has been in continuous service till date. He was appointed in 1971 to work in place of R. N. Padhi who was given officiating promotion from the post of permanent Peon to the post of Assistant Cashier. Padhi worked as an Assistant Cashier for about one-and-a-half years and then he was transferred to Sambalpur. Although W. W. 1 has been working in place of Padhi for about five years and the vacancy consequent upon the promotion of Padhi is still lying vacant, the first-party has not made his service permanent as a Peon. Since W.W. 2 has not been made permanent inspite of service for five years, he is not getting the benefits of provident-fund, privilege-leave, annual increments, leave-fare concession and sick-leave. Although Padhi's post has not been filled up, W.W. 2 is discharging all the duties and work of a permanent peon. Peon Nanda Kishore Patnaik has been appointed as a Duftry in place of R. N. Padhi since 1971, but the vacancy in place of Patnaik has not been filled up by the first-party. In his cross-examination W.W. 2 has stated that Ext. 7 is the order dated 10-3-72 in which he was informed by the first-party that he was being appointed as a temporary peon on a temporary basis during the leave of Sankarsan Singh.

W.W.3 is a Special Assistant working under the first-party at present a Majholia. He has stated that on 30-1-57 he joined service under the first-party as Godown Keeper-cum-Clerk at the Cuttack Branch Office. On 18-9-75 he was promoted as a Special Assistant and posted at Majholia. In 1965-66 the Punjab National Bank Workers' Organisation, Orissa State, was formed with headquarters at Cuttack and since its inception W.W. 3 is an active member of the Union. From 1970 to 1974 he was elected as the General Secretary.

On account of his legitimate trade-union activities, the first party borne a grudge against him and wanted to transfer him from Cuttack. Sri P. K. Chakrabarty was first the General Secretary and then the President of the Union. The first-party had also borne grudge against Sri Chakrabarty on account of his trade-union activities. In order to victimise Sri Chakrabarty and W.W. 3, the first-party promoted Shri Chakrabarty as a Special Assistant, but transferred him to Rourkela and promoted W.W. 3 as a Special Assistant, but transferred him to Majholia. The transfer of the President and the Secretary of the Union by the first-party was obviously an unfair labour practice and has resulted in the disruption of the union movement in Cuttack. W.W. 3 has further stated that till 18-9-72 there were two Special Assistants working in the Cuttack Branch Office. Sri A. N. Khanna and Sri R. N. Sharma were the incumbents. On 18-9-72 Sri Khanna was promoted as a Sub-Accountant. Sri Khanna continued as Sub-Accountant at Cuttack and subsequently he was promoted as Accountant in 1973 and continued to work in the Cuttack Office. According to W.W. 3, this was deliberately done by the Branch Manager so as not to fill up the post of Special Assistant and thereby prevent Sri Chakrabarty, the then seniormost Clerk from getting the promotion to the post of Special Assistant. In the order of seniority amongst Clerks, W.W. 3 was next but one to Sri Chakrabarty. The workmen of the first-party in Orissa have lost the benefit of promotion to the two posts of special Assistants, one at Bhubaneswar and one at Cuttack, on account of the above-described unfair labour practice of the first-party. In his cross-examination W.W. 3 has stated that he has accepted the promotion as a Special Assistant, but he had protested to the first-party against his transfer. He is drawing salary as a Special Assistant from the Majholia Branch Office. He has denied the suggestion that the first-party had not transferred him and Sri Chakrabarty on account of their trade-union activities.

11. Preceding paragraphs 9 and 10 summarise the oral and documentary evidence adduced by both parties in this case.

12. Item 1 of the dispute is taken for consideration first.

As per the evidence of M.W. 1, workman Krishna Bahadur has already been absorbed as a Peon-cum-Guard at the Pay Office at Manaswar, Sambalpur on 12-12-75 and as such he has no further dispute with the first-party. This position is also admitted by the second-party. Hence, it is held that the dispute between the first-party and Krishna Bahadur has ceased to exist. Accordingly, a no-dispute award is passed in respect of Krishna Bahadur.

As regards the remaining three workmen, the facts which are admitted by both parties in their pleadings and evidence are set out hereunder :

(i) Workman G. Nayak joined service under the first-party at the Cuttack Branch as a Peon on 14-5-70 on a purely temporary basis. In respect of Nayak Exts. 1 and 2 are the two relevant appointment orders. Ext. 1 is dated 14-5-70 and it is mentioned therein that the appointment was purely temporary for a period from 14-5-70 to 19-5-70. Ext. 2 is dated 11-6-72 and it is mentioned therein that the appointment was purely temporary for a period of 30 days from 11-6-72 to 10-7-72 during the leave arrangement of N. N. Choudhury. Thereafter since 11-7-72 Nayak has been continuing in service as a temporary Peon in the Cuttack Branch without any formal letter of extension having been issued to him.

(ii) Workman M. K. Sahu rejoined service as a Peon at the Cuttack Branch in 1971 on a purely temporary basis. Exts. 3 and 7 are the two appointment letters in respect of Sahu. Ext. 7 is dated 10-3-72 and it is mentioned therein that Sahu was appointed on a purely temporary basis for the period from 10-3-72 to 13-3-72 during the leave arrangement of Sankarsan Singh. Ext. 3 is dated 1-7-72 and it is mentioned therein that Sahu was being appointed on a purely temporary basis for a period of 31 days from 1-7-72 to 31-7-72 during the leave arrangement of N. K. Patnaik. Thereafter since 1-8-72 Sahu has been continuing in service as a temporary Peon in the Cuttack Branch without any formal extension order having been issued to him.

(iii) Workman C. M. Sharma joined service under the first-party at the Rourkela Branch as a Peon on 27-5-72 on a purely temporary basis. Ext. 4 dated 27-5-72 is his letter of appointment. It is mentioned in Ext. 4 that Sharma was being appointed on a purely temporary basis from 27-5-72 to 26-6-72 in place of Ram Narayan Singh. Thereafter since 27-6-72 Sharma continued in service on extension basis from time to time till 17-6-75 on which date his services were terminated as per Ext. 5. Ext. 5 is the order of the Branch Manager that the services of Sharma were no longer required and as such terminated with effect from the afternoon of 17-6-75.

13. At this stage it is necessary to examine the classification of Bank employees. In para 508 (page 141) of the Sastry Award a "permanent employee" is defined to mean an employee who has been appointed as such by the bank; and a "temporary employee" has been defined to mean an employee who has been appointed for a limited period for work which is of an essentially temporary nature, or who is employed temporarily as an additional employee in connection with a temporary increase in work of a permanent nature. In the Desai Award the definition of a "permanent employee" as contained in the Sastry Award was accepted in para 23.15 (page 296) and a "permanent employee" was held to mean an employee who had been appointed as such by the bank. However, the definition of a "temporary employee" was slightly modified in the Desai Award and in para 21-20 (page 280) and in sub-clause (c) of para 23.15 (page 296), a "temporary employee" has been defined to mean an employee who has been appointed for a limited period for work which is of an essentially temporary nature, or who is employed temporarily as an additional employee in connection with a temporary increase in work of a permanent nature and includes an employee other than a permanent employee who is appointed in a temporary vacancy of a permanent workman. In para 20.7 (page 60) of the Bipartite Settlement dated 19-10-1966, Ext. 8, which is admittedly binding on both parties, it is provided that in supersession of paragraph 21.20 and sub-clause (c) of paragraph 23.15 of the Desai Award, a "temporary employee" will mean a workman who has been appointed for a limited period for work which is of an essentially temporary nature or who is employed temporarily as an additional workman in connection with a temporary increase in work of a permanent nature and includes a workman other than a permanent workman who is appointed in a temporary vacancy caused by the absence of a particular permanent workman. In view of the above definition of temporary employee, it is clear that workmen G. Nayak, M. K. Sahu and C. M. Sharma began their service under the first-party as temporary employees. Since the dates of their appointment Nayak and Sahu are continuing to work as Peons and Sharma had also continued to work as a Peon until his services were terminated on 17.6.75. As already noted, since 1972 formal extension or appointment orders were not issued to these workmen although they were allowed to continue in service as Peons. In his evidence (para 6) M.W. 1 has stated that workmen Nayak, Sahu and Sharma were being appointed from time to time to carry on the work of permanent Peons during the absence of the latter. Workman Nayak (W.W.1) has stated that the vacancy consequent upon the resignation of the permanent Peon K. N. Behera is still existing at the Cuttack Branch and has not yet been filled up by the first-party and even if the said post has not been filled up, Nayak is discharging all the duties of Behera and that his present duties and work are the same as a permanent Peon. According to Nayak, the permanent Peon Behera had resigned in 1969. In his cross-examination M.W. 1 has stated that after the resignation of the permanent Peon K. N. Behera, the first-party decided not to fill up the post unless the workload is fully assessed and as such that post has not yet been filled up. Workman M. K. Sahu has stated that he rejoined service as a Peon in 1971 in place of R. N. Padhi who was given officiating promotion from the post of a permanent Peon to the post of an Assistant Cashier. Sahu has further stated that although he has been working in place of Padhi for about five years and the vacancy consequent upon the promotion of Padhi is still lying vacant, the first-party has not yet made him permanent and that although Padhi's post has not been filled up, Sahu is discharging all the duties and work of the permanent Peon. W. W. 1 has admitted that in 1973 Padhi who was working as a Peon in the Cuttack Branch was promoted to the post of Assistant Cashier and transferred to the Sambalpur

Branch and as such a vacancy arose, but this vacancy has not yet been filled up. Workman Sharma has not examined himself as a witness in this case. His appointment letter is Ext. 4 dated 27-5-72 Ext. 4 clearly shows that Sharma was appointed for one month in the temporary vacancy in place of Ram Narain Singh. In the 'details of the services' filed by the workmen as an addenda to schedule-I of para 4 of their rejoinder dated 6/7-11-75 it is stated that since 27-5-72 workman Sharma was working as a Peon in the officiating arrangement of Duftari R. N. Singh who being a graduate was eligible for promotion as a Clerk and as such the vacancy against which Sharma was working was permanent in nature. The above statement made on behalf of the workmen in their rejoinder has not been denied or challenged either in the pleadings of the first-party or in the evidence led by it. Accordingly, it is accepted as the true state of affairs in so far as workman Sharma is concerned. As regards workman Nayak, Exts. 1 and 2 indicate that he was appointed for short periods of 6 days and 30 days respectively. As already noted, Exts. 1 and 2 are of the years 1970 and 1972 respectively and M.W. 1 has clearly stated that thereafter Nayak has been continuing in service without any formal letter of appointment or extension. Similarly in the case of M. K. Sahu Exts. 7 and 3 of the year 1972 show that Sahu was appointed for short periods or 4 days and 30 days respectively, but M. W. 1 has admitted that since 31-7-72 Sahu has been continuing in service as a temporary Peon without any formal letter of appointment or extension. It is important to note that in his evidence M.W. 1 has clearly stated that workmen Nayak, Sahu and Sharma were being appointed from time to time to carry on the work of permanent Peons. Nayak and Sahu have both stated that they have been working against the permanent vacancies of permanent Peons K. N. Behera who had resigned and R. N. Padhi who had been promoted respectively. According to them, they are doing all the duties and work of a permanent Peon against the permanent vacancies of K. N. Behera and R. N. Padhi respectively. As per the "history of services" of workman Sharma which has not been challenged or denied by the first-party, Sharma had been working continuously in the permanent vacancy consequent upon the promotion of R. N. Singh until the termination of his service on 17-6-73 M.W. 1 has also admitted that these three workmen were being appointed from time to time to carry on the work of permanent Peons during the absence of the latter. In view of this overwhelming evidence workmen G. Nayak, M. K. Sahu and C. M. Sharma who were temporary workmen as per the Bipartite Settlement Ext. 8 must be deemed to have been appointed against permanent vacancies with effect from para 23.19 (pages 296-297) of the Desai Award it is stated :

14. On behalf of the workmen it is urged that since the three workmen have put in more than 90 days of continuous service, they must be deemed to be probationers. This claim of the workmen cannot be accepted in view of the rejection of such a demand by the workmen in the Desai Award. In para 23.19 (pages 296-297) of the Desai Award it is stated :

"There is no merit in the demand that where daily rated and/or temporary hands remain in employment for an aggregate period of 3 months during any 12 consecutive months they should be deemed to be probationers and should be so covered and absorbed against permanent vacancies. The said demand is opposed by the banks and the same is rejected...."

In para 23.20 (page 297) of the Desai Award a direction has been given that wherever possible the banks should, except in the case of permanent employees, specify the period of employment. In the present case the first-party has signally failed to carry out the above direction of the award in respect of workmen Nayak, Sahu and Sharma since 11-7-72, 1-8-72 and 26-6-72 respectively. However, the fact remains that these three workmen have continued to work against permanent vacancies after the expiry of their terms specifically noted in their appointment letters and while Nayak and Sahu are still in service, the services of Sharma have been terminated by the first-party with effect from 17-6-75.

15. In para 20.8 (page 60) of the Bipartite Settlement (Ext. 8) it is stated:

"A temporary workman may also be appointed to fill a permanent vacancy provided that such temporary appointment shall not exceed a period of three

months during which the bank shall make arrangements for filling up the vacancy permanently. If such a temporary workman is eventually selected for filling up the vacancy, the period of such temporary employment will be taken into account as part of his probationary period."

Here again the first-party has failed to carry out the directions contained in the aforesaid provision. Although the clause clearly provides that temporary appointment to fill permanent vacancies must not exceed a period of three months, the first-party has continued the appointments of Nayak, Sahu and Sharma against the permanent vacancies of K. N. Behera, R. N. Padhi and R. N. Singh respectively for periods far in excess of three months. Para 20.8 further enjoins that within the period of three months of the temporary appointment to fill a permanent vacancy, the bank must make arrangements for filling up the vacancy permanently, but this also the first-party has failed to do. M.W. 1 has clearly admitted that though the vacancies exist, they have not been filled up. The action of the first-party in not complying with the aforesaid provision of the Desai Award and the Bipartite Settlement dated 19-10-66 appears to be mala fide.

16. On behalf of the workmen it is urged that since the workman concerned in this case have been engaged on work of a permanent nature lasting throughout the year, they ought to be treated as permanent employees and in this connection reliance is placed on a decision of the Supreme Court reported in 1961-I.L.L.J. 649. In the above case the Standing Orders of a sugar factory defined a "permanent workman" as "one engaged in a permanent nature of work throughout the year and who has completed his probationary period, if any." After examining the definitions of a "seasonal workman" and a "temporary workman" the Supreme Court held that the proper construction of the definition of a "permanent workman" under the Standing Orders was: "a workman engaged on a work of permanent nature which lasts throughout the year and who has completed his probationary period, if any, not being one engaged to fill in a temporary need of extra hands of permanent jobs, e.g., in leave vacancies." As is evident the definition of a "permanent workman" in the Standing Orders of the sugar factory in the above case is significantly different from the definition of a "permanent employee" contained in the Sastry Award and Dasai Award. So far as Bank employees are concerned the definition of a "permanent employee" is quite precise and it simply means an employee who has been appointed as such by the Bank. For a Bank employee to claim the status of a permanent employee it is necessary that the Bank must have appointed him as a permanent employee. Therefore the aforesaid Supreme Court decision has no application to this case.

17. In para 20.12 (page 62) of the Bipartite Settlement (Ext. 8) it is provided that other things being equal, temporary workmen (other than Godown-keeper) will be given preference for filling permanent vacancies and if selected they may have to undergo probation. In his evidence M.W. 1 has stated that because of reservations for Scheduled Castes and Scheduled Tribes it has not been possible for the first-party to absorb the workmen concerned in this case in permanent vacancies. This evidence of M.W. 1 is vague. No specific documentary evidence has been produced before the Tribunal by the first-party to indicate that the question of permanent absorption of the workmen concerned in this case has not yet been taken up on account of preference having been given to Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates. Moreover, as already noted, under para 20.12 of the Bipartite Settlement extracted above for filling permanent vacancies the first-party is bound to give preference to the temporary workmen concerned in this case and this provision must be held to override contrary directions or circulars, if any.

18. Since workmen G. Naik, M. K. Sahu and C. M. Sharma joined service under the first-party in 1970, 1971 and 1972 respectively, none of the benefits under paras 20.9, 20.10 and 20.11 (page 61) of the Bipartite Settlement, Ext. 8, is available to them. There appears nothing in the Sastry Award, Desai Award or Bipartite Settlement dated 19-10-66, nor has any provision therein been brought to notice, which entitles workmen G. Naik, M. K. Sahu and C. M. Sharma to be automatically made permanent employees under the first-party on the ground that against permanent vacancies workmen G. Naik and M. K. Sahu are continuing in service for more than five years and workman C. M. Sharma had continued in service for three years till 17-6-75. It is the first-party alone which can appoint them as permanent employees. As per para 20.8 of the Bipartite Settlement, Ext. 8, the

first-party should have made arrangements for filling up the respective vacancies permanently within three months of the temporary appointments against the permanent vacancies. The first-party which seems to have slept over the matter must now be directed to make arrangements for filling up the two vacancies at Cuttack and one vacancy at Rourkela permanently. As per para 20.12 of the said Settlement, other things being equal, workmen G. Nayak, M. K. Sahu and C. M. Sharma must be given preference while filling up the above permanent vacancies.

19. Accordingly, it is held that the management of the Punjab National Bank, Calcutta is not justified in not regularising the services of Sarvashri G. Nayak and M. K. Sahu of Cuttack Branch and C. M. Sharma of Rourkela Branch, having failed to specify the periods of employment of these three workmen from 11-7-72, 1-8-72 and 26-6-72 respectively as required under para 23.20 (page 297) of the Desai Award and having continued these three workmen in service for periods far in excess of three months without making arrangements for filling up the two vacancies at Cuttack and one vacancy at Rourkela permanently within that period as per para 20.8 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66. The first-party is directed to make arrangements to fill up the two vacancies at Cuttack and one vacancy at Rourkela permanently consequent upon the resignation of K. N. Behera and promotion of R. N. Padhi at Cuttack and promotion of R. N. Singh at Rourkela within a period of three months from the date of publication of this award and in doing so the first-party shall give preference to workmen G. Nayak, M. K. Sahu and C. M. Sharma as enjoined in para 20.12 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66. If workmen G. Nayak, M. K. Sahu and C. M. Sharma are eventually selected for filling the respective permanent vacancies, the selection shall be given effect to from the dates on which they had completed three months' temporary appointment against their respective permanent vacancies.

The services of workman C. M. Sharma have been terminated with effect from 17-6-75. However, it has no bearing in the present reference as the termination is subsequent to this reference and it does not form a subject-matter of the present dispute. The first-party is to consider the claim of workman C. M. Sharma at the time when he had completed three months' temporary appointment against the permanent vacancy of R. N. Singh.

20. Item 2 of the reference may now be taken up for consideration.

Admittedly the first-party has not filled up the posts of one Special Assistant at Bhubaneswar and one Special Assistant at Cuttack. In this connection M.W. 1 has stated that on the upgradation of the Bhubaneswar Pay Office to a Branch Office on 27-7-73 the first-party decided that instead of a Special Assistant an Accountant should be posted at Bhubaneswar and that out of the two sanctioned posts of Special Assistants at the Cuttack Branch, one post was abolished when the person holding that post was promoted as a Sub-Accountant. According to M.W. 1, the volume of work does not justify posting of a Special Assistant at the Bhubaneswar Branch or posting of a second Special Assistant at the Cuttack Branch. In his cross-examination M.W. 1 has stated that the upgradation of the Bhubaneswar Branch was on account of increase in the volume of business, but he has explained that as a Special Assistant is not an officer and cannot be put as the second man in charge, instead of a Special Assistant the first-party decided to post an Accountant at Bhubaneswar which is the capital of Orissa. On behalf of the workmen W.W. 3 has stated that the workmen under the first-party in Orissa have lost the benefit of promotion to the two posts of Special Assistants, one at Bhubaneswar and one at Cuttack, on account of unfair labour practice of the first-party. It is alleged by W.W. 3 that since the Branch Manager of the Cuttack Office refused to relieve the Sub-Accountant who was subsequently promoted as Accountant, Sri Chakrabarty, the then General Secretary of the Union who was also the then seniormost Clerk was prevented from getting his due promotion to the post of Special Assistant. The above allegation of W.W. 3 regarding unfair labour practice is vague and not corroborated by any evidence. Sri Chakrabarty has not been examined in support of the above allegation. The further allegation of W.W. 3 that he was transferred on account of his union activities need not be considered as his

evidence in this regard is hardly convincing and the question of his transfer outside Orissa does not form the subject-matter of the present dispute. W.W. 3 has himself been promoted as a Special Assistant and posted at Majholia. The suggestion to M.W. 1 in cross-examination is that by not filling up the posts of Special Assistants at Cuttack and Bhubaneswar, the first-party has withdrawn the benefit of special allowance from the employees, but M.W. 1 has not agreed with his suggestion. As explained by M.W. 1, the first-party has posted an Accountant in place of a Special Assistant at Bhubaneswar and one Special Assistant at Cuttack having been promoted as Sub-Accountant, the post of a Special Assistant has been abolished at Cuttack. The first-party certainly has the right to organise its administrative set-up in the exigencies of its business. There is no reason why in the facts and circumstances of this case the Tribunal should interfere with the posting and withdrawal of officers and workmen from one Branch to another which come within the managerial functions of the first-party.

21. Accordingly it is held that the management of the Punjab National Bank are justified in not filling up the posts of two Special Assistants in their Branches at Cuttack and Bhubaneswar from amongst their employees posted in the State of Orissa.

Award is passed accordingly.

6-7-1976.

B. N. MISRA, Presiding Officer
[F. No. L-12011/3/75/D. II. A]
R. P. NARULA, Under Secy.

आवेदा

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1976

का० आ० 3019.—यश. भिलाई स्टील लाइट (माइस्स) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड भिलाई के प्रबन्धतंत्र और उनके कर्मकारों के शीघ्र, जिनका प्रतिनिधित्व मेटल माइन्म बर्केस यूनियन, नन्दिनी माइन्स जिला दुर्ग करती है, एक श्रौद्धोगिक विवाद घट्टाघात है;

और यह, उक्त प्रबन्ध और उनके कर्मकारों ने श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10ए की उपचारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक निश्चित कागर छाग उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का कागर कर लिया है और उक्त माध्यस्थम् कागर को एक प्रति केन्द्रीय मरकार को भेजी गई है;

अतः अब, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 10क की उपचारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय मरकार उक्त माध्यस्थम् कागर को, जो उसे 21 जुलाई, 1976 को मिला था, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

करार

(श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10क के अधीन) पक्षकारों के नाम :

- नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले । 1. श्री गो० चौधरी, उप कार्मिक प्रबन्धक (खाले) भिलाई स्टील लाइट।
2. श्री आर० पी० सिंह, सहायक कार्मिक प्रबन्धक (आर० आर०) भिलाई स्टील लाइट।
3. श्री एस० के० सेठ, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी (खाले) भिलाई स्टील लाइट।

कर्मकारों का प्रतिनिधि करने वाले ।

1. श्री पी० डी० प्रसाद, अध्यक्ष, मेटल माइन्स वर्कर्स यूनियन, नन्दिनी ।
2. श्री जी० पी० शुक्ला, मचिव, मेटल माइन्स वर्कर्स यूनियन, नन्दिनी ।

पक्षकारों के बीच सिम्मालिकित श्रोतोगिक विवाद का श्री पी० सी० राय, उप मुख्य अमायुक्त (फैन्ड्रीय) थ्रम और गोजगार मंडालय, नई विल्ली के मध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का एनदब्ल्यूआर बारार किया गया है,

1. विवादित विवाद स्वतं विषयः “क्या श्री पृ० एन० आ०, उन्हें डिल पॉपरेटर की बरिल्टना भेदपूर्ण दग से निर्धारित बी० गई है? यदि हाँ, तो क्या इस प्रकार से बरिल्टना के निर्धारण के कानूनस्वरूप परीक्षण के मामले में इनका अधिकार किया गया है? यदि हाँ, तो अहं किस अनुसूति के लकडार है?
2. विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अन्यर्थीकृत स्थापन वा उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।
3. कर्मकारों का नाम, यदि वह स्वयं विवाद में अन्तर्गम्भी हो, या यदि कार्ड संघ प्रजगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम.

4. प्रभावित उपक्रम में नियोजित प्रत्यक्ष कर्मकारों की कुल संख्या : 1739 अप्रत्यक्ष गृन्थ

5. विवाद हारा ग्राम प्रभावित या संभव- व्यत प्रभावित होने वाले कर्म- कारों की प्राप्तवानि संख्या : 8

मध्यस्थ आग्रा पचाट तीन मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे द्वारा पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पचाट नहीं विया जाता तो माध्यस्थम् के लिए निवेश स्वतः रह हो जाएगा और हम नए माध्यस्थम् के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर :

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले: कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले:

ह०/-ए० के० चौधरी, ह०/-पी० डी० प्रसाद 2-4-76
उप० कार्मिक प्रबन्धक (स्थान), अध्यक्ष, मेटल माइन्स श्रमिक यूनियन, नन्दिनी माइन्स, जिला दुर्ग।

ह०/- आर० पी० मिह, सहायक कार्मिक प्रबन्धक (प्राई ह०/-जी० पी० शुक्ला 2-4-76
मार)

ह०/- गास० के० सेठ, मचिव मेटल, माइन्स वर्कर्स यूनियन
बरिल्ट कार्मिक अधिकारी (स्थान) नन्दिनी माइन्स,

साक्षी

1. ह०/- बी० श्री० दासक 2-4-76
2. ह०/- के० मार्मीधरन 2-4-76

स्वेकार किया

1. ह०/- पी० श्री० राय 1-7-76
- उप मुख्य अमायुक्त (के०), नई विल्ली।

[संख्या ए०-26013 (4)/76-टी-4 (बी)]

मूलन्त्र नाम, प्रनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 26th July, 1976

S.O.3019.—Whereas an industrial dispute exists between the management of Bhilai Steel Plant (Mines), Hindustan Steel Limited, Bhilai and their workmen represented by Metal Mines Workers Union, Nandini Mines, District Durg;

And whereas the said management and their workmen have by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 21st July, 1976.

AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

Name of the parties

- | | |
|-----------------------|---|
| Representing Employer | 1. Shri A.K. Choudhary,
Dy. Personnel Manager (Mines)
Bhilai Steel Plant. |
| | 2. Shri R.P. Singh,
Asstt. Personnel Manager (IR),
Bhilai Steel Plant. |
| | 3. Shri S.K. Seth,
Sr. Personnel Officer (Mines),
Bhilai Steel Plant. |

Representing Workmen

- | |
|---|
| 1. Shri P.D. Prasad,
President, Metal Mines Workers' Union, Nandini. |
| 2. Shri G.P. Shukla,
Secretary, Metal Mines Workers' Union, Nandini. |

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Shri P.C. Rai, Deputy Chief Labour Commissioner(C), Ministry of Labour and Employment, New Delhi.

(i) SPECIAL MATTERS IN DISPUTE

“Whether the seniority of Shri S.N. Jha, Ural Drill Operator has been fixed in a discriminatory manner?

If so, whether as a result of such fixation of seniority, he has been superseded in the matter of promotion ? If so to what relief he is entitled to?”

(ii) DETAILS OF THE PARTIES TO THE DISPUTE INCLUDING THE NAME &

The management of Bhilai Steel Plant (Mines), Hindustan Steel Limited, Bhilai-1, Distt. Durg. (M.P.).

ADDRESSES OF THE
ESTABLISHMENT OR
UNDERTAKING INVO-
LVED.

(iii) NAME OF THE WORK- MEN IN CASE HE HIMSELF IS INVOLVED IN THE DISPUTE OR THE NAME OF THE UNION, IF ANY, REPRESENTING THE WORKMEN IN QUESTION.

Metal Mines Workers' Union , Registered Union, Nandini Mines, Distt. Durg. (M.P.).

(iv) TOTAL NUMBER OF WORKMEN EMPLOYED IN THE UNDER-TAKING EFFECTED.

DIRECT	INDIRECT
1739	NIL

(v) ESTIMATED NUMBER OF WORKMEN EFFECTED OR LIKELY TO BE EFFECTED BY THE DISPUTE.

The arbitrator shall make his award within a period of three months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Signature of the parties
Representing Employer
S d/-A.K. CHAUDHARY
DY. PERSONNEL
MANAGER(MINES)

Sd/-R.P.SINGH
ASSTT. PERSONNEL
MANAGER (IR)
Sd/- S.K. SETH
SR. PERSONNEL OFFICER
(MINES)

Witness : 1. Sd/-B.B. Danak 2-4-76
2. Sd/-K. Sasidharan 2-4-76.

ACCEPTED

Sd. P.C. RAI, 12-7-76

Dy. Chief Labour Commissioner (C), New Delhi.

[No. L-26013(4)/76—D-IV(B)]

BHUPENDRA NATH, Section Officer (Spl.)

New Delhi, the 30th July, 1976

S.O. 3020.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3 Dhanbad in the matter of a complaint under section 33A of the Industrial Disputes Act from Shri L. N. Singh which was received by the Central Government on the 24th July, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Complaint No. 3 of 1975

In the matter of a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Arising out of Reference No. 19 of 1975, Ref. No. 21 of 1974 and Ref. No. 24 of 1973 referred to by the Ministry by its Order No. L-2012/124/74-LR. II, Dt. 26-2-75, No. L-2012/22/74-LR. II, Dt. 12-9-74 and No. L-2012/71-72/LR. II, Dt. 27-7-73 respectively).

PARTIES :

Shri L. N. Singh, Cash Chaprasi, 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery. .Complainant.

Versus

M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, Dist. Dhanbad. .Opp. Party.

APPEARANCES :

On behalf of the Complainant—None.

On behalf of the Opp. Party—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 19th July, 1976

AWARD

This is a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, filed by Shri L. N. Singh, Cash Chaprasi 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery Dhanbad alleging contravention of the provision of Section 33 of the Industrial Disputes Act and for necessary reliefs arising therefrom. The Opposite Party—employer denied the case of the complainant.

2. After the filing, the complainant case was proceeding along its course. The hearing of the complaint was adjourned a number of times on the prayer of the complainant's side. On 21-6-76, the complainant was neither present nor anybody on his behalf. No step was taken either—no sufficient cause was shown for the absence of the complainant. It was for the complainant to substantiate his case but he did not. The Opposite Party—employers who was in the position of defendant stood by as it was not for them to contest the complaint without the complainant. In the circumstances I have no other option but to dismiss the complaint.

2. In the result the complaint is dismissed for default and thus goes my award.

K. K. SARKAR, Presiding Officer.
[No. Z-20025/34/76-D-III(A)]

S.O. 3021.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the matter of a complaint under section 33A of the Industrial Disputes Act from Shri Raghab which was received by the Central Government on the 24th July, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Complaint No. 4 of 1975

In the matter of a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Arising out of Reference No. 21 of 1974 and Ref. No. 24 of 1973 referred to by the Ministry by its Order No. L-2012/53/74-LR. II, dt. 12-9-74 and No. L-2012/71-72/LR. II, Dt. 27-7-73 respectively).

PARTIES :

Shri Raghab, Category I Mazdoor, Digwadih Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd. .Complainant.

Versus

M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, District Dhanbad. .Opp. Party.

APPEARANCES :

On behalf of the Complainant—Shri B. N. Sharma, President, Congress Mazdoor Sangh.

On behalf of the Opp Party—Shri S S Mukherjee,
Advocate

STAFF Bihar

INDUSTRIAL Coal

Dhanbad the 19th July, 1976

AWARD

The complainant Shri Raghab Category I Mazdoor Digwadih Colliery filed a complaint under section 33A of the Industrial Disputes Act alleging contravention by the Opposite Party employer of the provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and for necessary reliefs arising therefrom the opposite party-employers denied the case.

2 Since the filing of the complaint the case was proceeding along its course. On 25.6.76 a petition was filed from the side of the complainant for permission to withdraw the complaint. Shri P N Sharma President Congress Mazdoor Sangh, who was representing the complaint made his submission regarding permission for withdrawal.

3 In the circumstances the complaint petition under section 33A of the Industrial Disputes Act is dismissed as withdrawn.

This is my award

Sd/-

K K SARKAR Presiding Officer
[No 7-20025/34/76-D III(a)]
S H S TYFR Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली ८ अगस्त १९७६

का० आ० 3022 —कमचारी राज्य बोमा अधिनियम, १९४८ (१९४८ का ३४) की घास १ की उपधारा (३) वर्ग प्रवत्त शक्तिया त। प्रशोग करत हुए केंद्रीय भगवार एनडब्ल्यू १ अगस्त १९७६ का उम नारीख के स्पष्ट म नियत करती है गिरिह। उक्त अधिनियम क थधाय ५ (धारा ४४ और १५ व गिरिह जो पर्वत हो प्रवत्त की जा चकी है) और अधाय ६ (धारा ७६ व उपधारा (१) और पारा ७७ ७८ ७९ और ८१ क मिवाय जो पर्वत ही प्रवत्त की जा चका है) के उपर्युक्त उत्तर प्रवेष राज्य क नियन्त्रित अन्त म प्रवत्त होग अर्थात् ॥—

- (i) मुज़फ़रनगर की नदी गलियारी सीमाओं आर मुज़फ़रनगर नदी के मुज़फ़रनगर गाँव म नदी त्रिवेदी मुज़ बाहेना रुकानपुर सख्त, नीवा भाव पानीरेही गाँव गाँवनेरी नदी राज्य ग्रामा (ii) तहसील जनमन्य प्रार पर्वत च्यट्टौली म खानपुर मैमण्डल और जहांगीरपुर गजस्ता ग्रामा और (iii) भज़फ़रनगर तहसील म कराता उत्तर तथा उत्तर गाँव गाँवा नदी ग्रामगाँव ग्राम म ग्राम बांध।

[प्रम ९०१३ (२)/७३ एच आई]

New Delhi the 6th August 1976

SO 302.2—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 15th August 1976 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh namely—

Areas falling within (i) the Municipal limits of Muzzafarnagar and Revenue Villages Naini, Jarauda, Situlpur, Vehelna, Rukanpur, Sarwat, Nawagaon, Pamanheri and Khanjahanpur in Purgana Muzzafarnagar of Tehsil Muzzafarnagar, (ii) Revenue Village Khanpur, Mansurpur and Jahangeerpur in Pargana Khatuli of Tehsil Jansath and (iii) Revenue Village of Kheri Kamu in Pargana Shamli of Tehsil Kairana in District Muzzafarnagar

59 GI/76—9

का० आ० 3023 —कमचारी राज्य बोमा अधिनियम, १९४८ (१९४८ का ३१) की घास १ की उपधारा (३) वर्ग प्रदत्त शक्तिया त। प्रशोग करत हुए केंद्रीय भगवार १५ अगस्त १९७० का उस तारीख व स्पष्ट म नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम क अध्याय ५ (घास १४ और ५० व मिवाय जो पहले ही प्रवत्त की जा चकी है) और अधाय ६ (घास ७६ व उपधारा (१) और ७७ ७८ ७९ और ८१ ने मिवाय जो पहले ही प्रवत्त की जा चकी है) के उपर्युक्त विवार राज्य क नियन्त्रित भवा म प्रवत्त होग अर्थात् ॥—

क्रमांक	जिल्हा	राजस्व ग्राम का नाम	राजस्व ग्राम की ता. नाम संख्या
१	गिरिहि	भग्न गोडिह	१४ गिरिहि
२	गिरिहि	भावन्पुर	१५ गिरिहि
३	गिरिहि	महारो चवन	१६ गिरिहि
४	गिरिहि	निर्वाया	४४ गिरिहि
५	गिरिहि	गिरिहि	२२९ गिरिहि
६	गिरिहि	बारामाया	२३० गिरिहि
७	गिरिहि	मागराडिह	२३३ गिरिहि
८	गिरिहि	चर्छा	२३७ गिरिहि

[स० प्रम-८०१३/१५/७५ एच० आई०]

टी० एग कुण्डामून अवर सचिव

SO 3023—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 15th August 1976 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Bihar namely,—

S. No	Dist. No	Name of revenue Village	Name of revenue Thana
1	Giridih	Bhandaridih	१४ Giridih
2	Giridih	Makatpur	१५ Giridih
3	Giridih	Mahilk Chuwan	१६ Giridih
4	Giridih	Sirsia	४४ Giridih
5	Giridih	Giridih	२३१ Giridih
6	Giridih	Barahmasla	२३२ Giridih
7	Giridih	Mangrodih	२३३ Giridih
8	Giridih	Khandiha	२३७ Giridih

[J. S. 38013/14/75 HI]

I. S. KRISHNAMURTHY Und Secy

राजस्व और बेकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

आवेदन

नई दिल्ली ३१ जुलाई १९७६

स्टाम्प

का० आ० 3024 —केंद्रीय सरकार भारतीय स्टाम्प अधिनियम १८९९ (१८९९ का २) की घास ९ की उपधारा (१) के खड़ (क)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस शुल्क से जो रुपल
इनेशिटिप्रिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा किए जाने वाले
ग्यारह करोड़ रुपए के मूल्य के रूप में बंध-पत्रों और ऐसे दस्तावेजों पर,
जो उसके पश्चात्वर्ती दृष्टान्तरण के साथ स्वरूप हैं, उक्त अधिनियम के
अधीन ग्रभार्य हैं, सूच देती है।

[सं. 40/76-स्टाम्प/फा० सं. 471/49/76-सी० श० 7]

श्रीम प्रकाश मेहरा, उप सचिव

DEPARTMENT OF REVENUE & BANKING

(Revenue Wing)

ORDER

New Delhi, the 31st July, 1976

STAMPS

S.O. 3024.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899, (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of eleven crores of rupees to be floated by the Rural Electrification Corporation Limited, New Delhi and the documents evidencing subsequent transfer of the same, are chargeable under the said Act.

[No. 40/76-Stamps/F. No. 471/49/76-Cus. VII]

O. P. MEHRA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1976

सीमा-शुल्क

का० आ० 3025.—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 की के बंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, विषेन्द्रम को,—

(i) मालदीव में बने माल और मालदीव से प्रायातित सामान को
उत्तारते के लिए ; और

(ii) भारत में बने माल और मालदीव को नियंत्रित किए जाने वाले
सामान को चढ़ाने के लिए ;

सीमा-शुल्क एयरपोर्ट के रूप में नियंत्रित करती है।

[नं. 404-सीमा-शुल्क/फा० सं. 481/4/76-सीमा-शुल्क-7]

यू० के० सेन, घबर सचिव

New Delhi, the 4th August, 1976

CUSTOMS

S.O. 3025.—In exercise of powers conferred by clause (a) of section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby appoints Trivandrum as Customs airport for,—

(i) the unloading of goods of Maldives origin and baggage
imported from Maldives; and

(ii) the loading of goods of Indian origin and baggage
for export to Maldives.

[No. 404/76-Customs/F. No. 481/4/76-Cus. VII]

U. K. SEN, Under Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

CORRIGENDUM

New Delhi, the 4th August, 1976

S.O. 3026.—The following amendment shall be made in the Schedule to Jute Commissioner's Notification No. S.O. 442(E) dated 30-6-1976, published in Gazette of India, Extra-ordinary Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 30th June, 1976 :

For	Read
Rs. 189.94	Rs. 198.94

Appearing in Col. 5 against Bihar Desal Jute.

[No. 8/4/75-Jute]

A. K. CHATTERJEE, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(आक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली 4 अगस्त, 1976

का० आ० 3027.—स्थायी प्रादेश संघा 627, दिनांक 8 मार्च,
1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार मियम, 1951 के नियम 434
के बाद III के पैरा (क) के भन्नभार आक-तार महानियेशक ने काजीकोड
टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-9-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का
निष्काय किया है।

[सं. 5-12/76-पी० एच० शी०]

पी० सी० गुप्ता, महायक महानियेशक (पी० एच० शी०)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 4th August, 1976

S.O. 3027.—In pursuance of para (a) of section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S. O. No. 627, dated 8th March, 1960, the Director General Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-9-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kanjikode Telephone Exchange, Kerala circle.

[No. 5-12/76-PHB.]

P. C. GUPTA,
Assistant Director General (PHB)